नई दिल्ली ■ सोमवार, 14 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 14 ■ पृष्ठ 12

J B T

www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 राणा के बहाने उजागर हो पाक का पूरा आतंकी सच | 07 आरसीबी ने RR को नौ विकेट से रौंदा | ऋचा ने लोगों में बढ़ती उदासी के बारे में की बात 06

TUITION TIGER
learn smart

PREMIUM LIVE BATCHES (only 30 Students per Batch)	LIVE CLASSES
CLASS 6 NEEV, CLASS 7 PRAKHAR, CLASS 8 VIRAJ Fee Rs. 24,000/- Per Course	CLASS 6 EXCEL, CLASS 7 PULSE, CLASS 8 AVENGER Fee Rs. 2,400/- Per Course
CLASS 9 PARAKRAM, CLASS 10 PRAKET Fee Rs. 30,000/- Per Course	CLASS 9 HECTOR, CLASS 10 HERCULES Fee Rs. 3,000/- Per Course
CLASS 11 TEJAS (PCM), CLASS 11 PRAVAAH (PCB) CLASS 12 ADITYA (PCM), CLASS 12 AYUR (PCB) Fee Rs. 36,000/- Per Course	CLASS 11 HERMES (PCM), CLASS 11 ZENITH (PCB) CLASS 12 APOLLO (PCM), CLASS 12 CATALYST (PCB) Fee Rs. 3,600/- Per Course

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309   9220 90 5919

नई दिल्ली ■ सोमवार, 14 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 14 ■ पृष्ठ 12

JBT
जनभावना टाइम्स
www.thejbt.com
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित
निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 राणा के बहाने उजागर हो पाक का पूरा आतंकी सच | 07 आरसीबी ने RR को नौ विकेट से रौंदा | ऋचा ने लोगों में बढ़ती उदासी के बारे में की बात 06

आंध्र प्रदेश में पटाखा कारखाने में विस्फोट, मुख्यमंत्री ने दिया जांच का आदेश

8 लोगों की मौत, 7 घायल

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में रविवार को एक पटाखा कारखाने में विस्फोट होने से दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। यह घटना दोपहर करीब 12:45 बजे कोटावुराटला गांव में हुई। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में एक फैक्टरी में हुई दुर्घटना में लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।' मोदी ने कहा कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर दुख व्यक्त किया। नायडू ने घटना की जांच के आदेश भी दिए और अधिकारियों से रिपोर्ट सौंपने को कहा। राज्य सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 15 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

राज्य की गृह मंत्री वी. अनिता ने बताया कि आग लगने की दुर्घटना में दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। दुर्घटना अपराह्न लगभग 12:45 बजे हुई और अधिकारी फिलहाल शवों को निकालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पुलिस की मदद कर रहे हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि विस्फोट लाइसेंस प्राप्त पटाखा निर्माण इकाई में हुआ, जो एस्बेस्टस की छत के नीचे चल रही थी। उन्होंने बताया कि घटना के समय वहां कथित तौर पर 15 लोग मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि शवों के जले हुए हिस्से इधर-उधर बिखरे पड़े थे, जिससे पहचान करना मुश्किल हो गया।

इस बीच, एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पांच मृतकों का पोस्टमॉर्टम नरसीपत्तनम के एक स्थानीय अस्पताल में और तीन का अनकापल्ली जिला अस्पताल में किया जा रहा है। विशाखपत्तनम के किंग जॉर्ज अस्पताल (केजीएच) में भेजे गए छह घायलों में से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। बयान में कहा गया है कि दो और घायलों का नरसीपत्तनम के एक अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। इस हादसे में मारे गए लोगों की पहचान निर्मला, रामालक्ष्मी, वेणुबाबु, बाबूराव, मनोहर, टाटाबाबू, पापा और गोविंद के रूप में हुई है। इसके अलावा पीड़ित काकीनाडा जिले के सांभर लखोटा मंडल के निवासी बताए जा रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने घटना पर दुख व्यक्त किया और अधिकारियों को घायलों को उचित चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने अनिता और जिले के अधिकारियों को घायलों के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

वाईएसआर कांग्रेस प्रमुख वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया और सरकार से पीड़ितों की मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं से पीड़ितों को हर संभव सहायता देने को भी कहा।

बंगालः हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद से सैकड़ों लोग भागे, नदी पार कर मालदा में ली शरण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में सांप्रदायिक हिंसा से प्रभावित सैकड़ों लोगों ने भागीरथी नदी पार कर मालदा में शरण ली है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

स्थानीय प्रशासन ने दंगा प्रभावित परिवारों के लिए आश्रय और भोजन की व्यवस्था की है तथा उन्हें स्कूलों में शरण दी है। साथ ही मुर्शिदाबाद से नावों से आने वालों की सहायता के लिए नदी तट पर स्वयंसेवकों को तैनात किया है। मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के सुती, धुलियान, जंगीपुर और शमशेरगंज समेत कई इलाकों में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हुए, जो सांप्रदायिक हिंसा में बदल गये। इसके कारण प्रभावित लोगों का पलायन शुरू हो गया। मीडिया में आई तस्वीरों में मुर्शिदाबाद के इन इलाकों में दुकानें, होटल और घर जलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अपने परिवार के चार अन्य सदस्यों के साथ मुर्शिदाबाद से पलायन करने वाली एक युवती ने बताया कि हम धुलियान के मंदिरपाड़ा इलाके से इसलिए भागे क्योंकि हमारे घरों में आग लगा दी गई थी। महिलाओं और लड़कियों के साथ बाहरी लोगों तथा कुछ स्थानीय लोगों के एक समूह ने छेड़छाड़ की थी। महिला ने दावा किया कि उन्होंने बम फेंके, हमें वक्फ अधिनियम के लिए दोषी ठहराया और हमें तुरंत अपने घर छोड़ने के लिए कहा। उन्होंने हमारे घर के पुरुषों को पीटा। हम अपनी जान को लेकर डरे हुए थे और केंद्रीय बलों की मदद से अपने घरों से भागे। एक अन्य बुजुर्ग महिला ने कहा कि हमने हमलावरों से हाथ जोड़कर माफी मांगी, जबकि हमने कोई गलत काम नहीं किया था। हथियार लहराते हुए हमलावरों ने बहुत अत्याचार किए। मैं, मेरा बेटा, बहू और पोता अपना कुछ सामान लेकर भाग निकले। नहीं तो हम मारे जाते।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि हिंसा के बाद धुलियान से 400 लोग पलायन करने को मजबूर हुए हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'धार्मिक कट्टरपंथियों के डर के कारण मुर्शिदाबाद से 400 से अधिक हिंदू नदी पार भागने और मालदा में शरण लेने के लिए मजबूर हुए हैं।' भाजपा नेता ने कहा कि टीएमसी की तुष्टीकरण की राजनीति ने कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा दिया है। हिंदुओं को शिकार बनाया जा रहा है, हमारे लोग अपनी ही जमीन पर जान बचाने के लिए भाग रहे हैं! कानून-व्यवस्था की इतनी खराब स्थिति पर राज्य सरकार को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं जिले में तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, राज्य पुलिस और जिला प्रशासन से आग्रह करता हूं कि वे इन विस्थापित हिंदुओं की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करें और इस 'जिहादी आतंक' से उनके जीवन की रक्षा करें।

देवनापुर-सोवापुर ग्राम पंचायत की प्रधान सुलेखा चौधरी ने बताया कि शुरू में कुछ लोग (हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद से) नावों में आ रहे थे। उन्होंने कहा कि शनिवार रात तक आने वाले लोगों की संख्या 500 को पार कर गई, जिनमें से अधिकतर महिलाएं थीं।

संक्षिप्त खबरें

मुंबई एयरपोर्ट पर 6.3 करोड़ रुपये का सोना बरामद, यात्री गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर बैंकाक से आए एक यात्री को पकड़ा है, जिसके पास से 6.3 करोड़ रुपये कीमत का सोना बरामद हुआ है। इस यात्री ने 6.7 किलोग्राम सोने की छड़ें अपने जूतों में चालाकी से छिपाकर रखी थीं।डीआरआई सूत्रों ने रविवार को बताया कि उनकी टीम को बैंकाक से एक यात्री के बारे में गोपनीय जानकारी मिली थी। इस पर डीआरआई की टीम बीती रात मुंबई एयरपोर्ट पर निगरानी कर रही थी। बैंकाक से आए एक यात्री को रोका गया। तलाशी के दौरान उसके जूतों में छिपाकर रखी गई सोने की 6.7 किलोग्राम सोने की छड़ें मिलीं। डीआरआई ने यात्री को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ के बाद सोने के खरीदार का पता चला है। इस मामले की छानबीन डीआरआई की टीम कर रही है।

मुठभेड़ में मारे गये तीनों नक्सलियों की हुई शिनाख्त, 7 लाख के थे इनामी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा क्षेत्र के इंद्रावती टाइगर रिजर्व के जंगल में शनिवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में मारे गए तीनों नक्सलियों की रविवार को शिनाख्त कर ली गई। इन तीनों नक्सलियों पर सात रुपये का इनाम था। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. ने इसकी पुष्टि की है। मुठभेड़ में मारे गये नक्सलियों में अनिल पुनेम पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित था। मारी गई दूसरी महिला नक्सली की पहचान पालो पोड़ियाम पर एक लाख रुपये का इनाम था। तीसरा मारे गए पुरुष नक्सली की पहचान दीवान मड़कम के रूप में हुई है। इस पर एक लाख रुपये का इनाम था। मारे गये तीनों नकसलियों के शव के साथ 12 बोर रायफल दो, 5 राउंड बुलेट, सिंगल शॉट 315 रायफल एक, 4 राउंड बुलेट, एवं विस्फोटक सामग्री, नक्स्ली वर्दी, नक्सली साहित्य, दवाइयां और दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई हैं।

कार-ट्रेलर की टक्कर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के रायसर थाना इलाके में रविवार सुबह ट्रेलर-कार की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वाले सभी लोग एक ही परिवार के हैं। कार से शवों को निकालने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। थानाधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि हादसा सुबह मनोहरपुर-दौसा हाईवे पर हुआ। जहां लखनऊ के रहने वाले सत्य प्रकाश, उनकी पत्नी रामा देवी, बेटा अभिषेक, बहू प्रियांशी और 6 महीने की पोती श्री कार से खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए निकले थे। इसी दौरान नेकावाला टोल के पास कार और ट्रेलर की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को आशंका है कि ओवरटेक करने के चक्कर में यह हादसा हुआ।

मणिपुर और त्रिपुरा में भारी मात्रा में हथियार और ड्रग्स जब्त

गुवाहाटी। मणिपुर और त्रिपुरा में सुरक्षा बलों ने संयुक्त कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में हथियार और मादक पदार्थ बरामद किए हैं। पुलिस के आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि पूर्वी मणिपुर जिले के नुथसिंग चान्साबी इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाकर छह शक्तिशाली रॉकेट लॉन्चर, तीन हैंड ग्रेनेड, कई डेटोनेटर और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। वहीं त्रिपुरा के तेलियामुरा क्षेत्र में असम राइफल्स और डीआरआई ने एक चार पहिया वाहन की तलाशी के दौरान 60 हजार मेथामफेटामिन टैबलेट बरामद की, जिनकी कीमत करीब छह करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली में पुराने वाहनों को ईंधन नहीं देने की नीति जल्द लागू होगी

नई दिल्ली। दिल्ली में ईंधन भरने वाले 477 स्टेशनों पर एक ऐसी प्रणाली लगाई गई है जिससे यह पता चल जाएगा कि कोई वाहन कितना पुराना है। सरकार शहर में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए 'पुराने वाहनों को ईंधन नहीं देने' की नीति जल्द ही लागू करने वाली है और केवल 23 स्टेशन पर ऐसी प्रणाली लगाई जाना बाकी है।

पर्यावरण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक 372 पेट्रोल पंपों और 105 सीएनजी स्टेशनों पर यह उपकरण लगाया जा चुका है तथा शेष स्टेशनों पर भी अगले 10 से 15 दिनों में यह उपकरण लगा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार को उम्मीद है कि यह नीति अप्रैल के अंत तक लागू हो जायेगी। दिल्ली सरकार ने पुराने वाहनों को ईंधन नहीं देने की इस नीति को एक अप्रैल से लागू करने की योजना बनाई थी, लेकिन सभी स्थानों पर उपकरण स्थापित नहीं किए जाने के कारण यह नीति तय समय पर लागू नहीं हो सकी। पर्यावरण विभाग के अधिकारी ने कहा कि हमने 477 ईंधन भरने वाले स्टेशनों पर उपकरण लगाने का काम पूरा कर लिया है और अब केवल 23 ही स्टेशन बचे हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा इस प्रक्रिया पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। इस महीने के अंत तक पूर्ण रूप से यह नीति लागू हो जाएगी। इससे पहले, सिरसा ने कहा कि सरकार इस प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि आंशिक क्रियान्वयन के बजाय इसे थोड़ा विलंबित करना बेहतर है।

दिल्ली सरकार ने मार्च में अपनी योजना का खुलासा किया था कि राष्ट्रीय राजधानी में ईंधन प्रदान करने वाले पंप क्रमशः 15 और 10 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को पेट्रोल और डीजल उपलब्ध नहीं कराएंगे। शहर में 500 ईंधन रिफिलिंग स्टेशन हैं। इस कदम का उद्देश्य वाहनों से होने वाले उत्सर्जन पर अंकुश लगाना तथा शहर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण करना है, जो लोगों के लिए लगातार चुनौती बना हुआ है। तय सीमा से अधिक पुराने वाहनों को ईंधन नहीं देने की नीति को लागू करने के लिए ईंधन स्टेशनों पर स्वचालित नंबर प्लेट पहचान कैमरे लगाए जा रहे हैं, जो पंजीकरण वर्ष के आधार पर वाहनों की आयु की पहचान करेंगे।

पंजाब पुलिस ने बम संबंधी दावों को लेकर बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज किया

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के राज्य में 50 बम पहुंचने से संबंधी बयान को लेकर उनसे की गई पूछताछ के कुछ घंटे बाद पुलिस ने रविवार को उनके (बाजवा) खिलाफ देश की संप्रभुता और एकता को खतरे में डालने वाली भ्रामक सूचना देने सहित विभिन्न आरोपों के तहत मामला दर्ज किया है। सूत्रों ने बताया कि मोहाली के साइबर अपराध पुलिस थाने में बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि बाजवा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 197(1)(डी) (देश की संप्रभुता और एकता को खतरे में डालने वाली झूठी और भ्रामक सूचना) और 353(2) (शत्रुता और घृणा या दुर्भावना पैदा करने के इरादे से झूठे बयान देना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इससे पहले दिन में पंजाब पुलिस की दो सदस्यीय टीम बाजवा के आवास पर पहुंची और उन्होंने कांग्रेस नेता से उनके दावे के संबंध में पूछताछ की।

राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कांग्रेस नेता से उनके इस दावे का आधार बताने के लिए कहा और सवाल किया कि क्या उनका (बाजवा) 'पाकिस्तान के साथ सीधा संबंध है।' बाजवा ने कहा कि उन्होंने यहां उनके आवास पर आई पुलिस टीम के साथ सहयोग किया, लेकिन बाजवा ने अपने सूत्रों का खुलासा करने से इनकार कर दिया। बाजवा ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा। इससे पहले, मान ने बाजवा के दावों पर निशाना साधते हुए कहा कि न तो पंजाब पुलिस के खुफिया कार्यालय और न ही किसी केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने (बम संबंधी) ऐसी कोई जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि अगर बाजवा के बयान का उद्देश्य केवल दहशत फैलाना है, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नेता प्रतिपक्ष बाजवा ने एक निजी टेलीविजन चैनल को दिए साक्षात्कार में दावा किया था, 'मुझे पता चला है कि 50 बम पंजाब पहुंचे हैं। इनमें से 18 फट चुके हैं और 32 अभी फटने बाकी हैं।'

जब से वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हुआ तभी से हिंसा भड़काई जा रही: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों खासतौर पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि जब से वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तभी से इसके खिलाफ हिंसा भड़काई जा रही है। रविवार को यहां राज्य की राजधानी लखनऊ में भागीदारी भवन में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान की प्रदेश कार्यशाला की शुरुआत करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आश्चर्य होता है कि यह वही देश है जिसमें वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीन कब्जा ली गयी है। उनके (कब्जा करने वालों के) पास कोई कागज नहीं, कोई राजस्व का रिकॉर्ड नहीं है और जब से (वक्फ) संशोधन विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तो इसके लिए हिंसा भड़काई जा रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद में तीन हिंदुओं की उनके घरों से खींचकर हत्या कर दी गयी। ये सब कौन हैं, ये वही दलित, वंचित और गरीब हैं जिनको इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि इसलिए इन्हें (विपक्षी दलों) भय है कि ऐसा हुआ तो इनका वोटबैंक और गुमराह करने की राजनीति हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगे।

पिछले सप्ताह संसद द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम मंगलवार से लागू हो गया। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार ने आठ अप्रैल 2025 से उक्त अधिनियम के प्रावधान लागू किए हैं। लोकसभा और राज्यसभा ने क्रमशः तीन अप्रैल और चार अप्रैल की मध्य रात्रि के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच अप्रैल को इसे अपनी मंजूरी दे दी। वक्फ (संशोधन) विधेयक आने के बाद से ही तमाम मुस्लिम संगठन समेत विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती से एक दिन पहले उनकी याद में शुरू किए गए अभियान की विस्तार से जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक हम सही तथ्य जनता जनार्दन के सामने नहीं रखेंगे तो ये लोग गुमराह करके अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करते रहेंगे और वे लोग इसी प्रकार गुमराह करके, देश में अव्यवस्था पैदा करके दलितों, वंचितों का शोषण करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे दलितों, गरीबों और वंचितों को उनके अधिकारों से वंचित करते रहेंगे। इसलिए कार्ययोजना के साथ भाजपा की कार्यशाला यहां आयोजित हो रही है।

भारत ने लेजर के जरिए पांच किमी. तक हवाई लक्ष्य मार गिराने की क्षमता दिखाई

अमेरिका, चीन और रूस सहित चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हुआ भारत

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को 30 किलोवाट लेजर आधारित हथियार प्रणाली का उपयोग करके फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट, मिसाइल और स्वार्म ड्रोन को मार गिराने की अपनी क्षमता का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। भारत इसके साथ ही अमेरिका, चीन और रूस सहित उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने ऐसी क्षमता दिखाई है। 30 किलोवाट की लेजर हथियार प्रणाली को 5 किलोमीटर की सीमा के भीतर ड्रोन और हेलीकॉप्टर जैसे हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है।

डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने इस सफल परीक्षण के बाद कहा कि इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन ने इस तरह की क्षमता का प्रदर्शन किया है। इजरायल भी इसी तरह की क्षमताओं पर काम कर रहा है। हम इस प्रणाली का प्रदर्शन करने वाले दुनिया के चौथे या पांचवें देश हैं। इसमें संचार और उपग्रह संकेतों को जाम करने सहित उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताएं हैं। इस बहुमुखी हथियार प्रणाली से जमीन और जहाज आधारित मिशन को अंजाम दिया जा सकता है, जिससे कई क्षेत्रों में भारत की रक्षा तत्परता बढ़ती है। यह प्रणाली सटीक लक्ष्यीकरण के लिए 360 डिग्री इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल, इन्फ्रारेड सेंसर से लैस है और इसे हवाई, रेल, सड़क या समुद्र के माध्यम से तेजी से तैनात किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि डीआरडीओ 300 किलोवाट 'सूर्य' लेजर हथियार जैसे अधिक शक्तिशाली सिस्टम भी विकसित कर रहा है, जिसकी परिचालन सीमा 20 किलोमीटर है। यह सिस्टम मिसाइलों और मानव रहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) जैसे उच्च गति वाले हवाई खतरों को लक्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो आधुनिक युद्ध में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा। ये प्रगति मिसाइल रक्षा और ड्रोन विरोधी अभियानों के लिए उच्च शक्ति वाले लेजर पर जोर देने वाले वैश्विक रुझानों के अनुरूप है।

पंजाब पुलिस ने आईएसआई के दो आतंकियों को आईईडी समेत पकड़ा

जर्मनी के गोल्डी ढिल्लों के इशारे पर कर रहे थे काम

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने जर्मनी से संचालित गुरप्रीत सिंह उर्फ गोल्डी ढिल्लों के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए फतेहगढ़ साहिब जिले के सरहिंद क्षेत्र से इसके दो प्रमुख गुर्गों को पकड़ा है। इनके पास से 1.6 किलोग्राम आरडीएक्स युक्त 2.8 किग्रा इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और एक रिमोट कंट्रोल बरामद किया गया है।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने रविवार को बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस फिरोजपुर और स्टेट स्पेशल ऑपरेटिंग सेल, एसएएस नगर की संयुक्त पुलिस टीमों ने आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार किये गए आतंकी गुर्गों की पहचान फतेहगढ़ साहिब निवासी जग्गा सिंह और मनजिंदर सिंह के रूप में हुई है। दोनों का आपराधिक रिकॉर्ड पुराना है और वे पहले भी नशे से जुड़े मामलों में शामिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि एनआईए ने गोल्डी बराड़-लॉरेंस बिश्नोई गैंग के मुख्य संचालक गोल्डी ढिल्लों की गिरफ्तारी पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गोल्डी ढिल्लों हाल ही में राज्य में प्रभावशाली व्यक्तियों पर जानलेवा हमलों की साजिश में शामिल रहा है। इस समय वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर कार्य कर रहा है।

एआईजी सीआई फिरोजपुर गुरसेवक सिंह बराड़ ने बताया कि पुलिस टीमों को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि जग्गा सिंह और मनजिंदर सिंह कथित तौर पर जर्मनी स्थित अपने हैंडलर गोल्डी ढिल्लों के निर्देशों पर काम कर रहे हैं। इन्होंने हाल ही में विस्फोटक सामग्री की एक खेप प्राप्त की है, जिसे वे अपनी सफेद हुंडई वेन्यू कार में किसी अज्ञात सहयोगी तक पहुंचाने जा रहे थे।

त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने फतेहगढ़ साहिब जिले के सरहिंद क्षेत्र से दोनों गुर्गों को आईईडी सहित गिरफ्तार करके उनकी सफेद हुंडई वेन्यू कार को भी जब्त कर लिया है।

संपूर्ण राष्ट्र के महानायक है आंबेडकर : सीएम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा से वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दिल्ली विधानसभा से डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य आयोजित वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब किसी एक जाति के नहीं, संपूर्ण राष्ट्र के महानायक है, उन्हें केवल स्मरण नहीं, अपने कर्मो से जीवन में उतारना है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब से प्रेरित दिल्ली के स्कूलों में विशेष विधानसभा सत्र आयोजित किए जाएंगे। दिल्ली सरकार सामाजिक समरसता व संवैधानिक मूल्यों के प्रति जनजागरूकता और प्रतिबद्धता निभाने के लिए सतत रूप से कार्यरत है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा में वॉकथॉन का आयोजन किया जिसमें सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया। दिल्ली सरकार उनके दिखाए रास्ते पर चलने और यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। दिल्ली में हर नागरिक को दिल्ली सरकार के माध्यम से उसका अधिकार और सम्मान की रक्षा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम ये मानते हैं कि बाबा साहेब कहने के व्यक्तित्व नहीं थे जीने के व्यक्तित्व थे। आज के समय में अपने कर्मों के माध्यम से उनको याद किया जाए और जिया जाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार बाबा साहेब के दिखाए हुए रास्तों और सिद्धांतों अनुसार काम करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस मौके पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर के जीवन को आदर्श मानते हुए और उनके कथनों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए संविधान की रक्षा की शपथ लेकर प्रधानमंत्री सरकार चलाते हैं। उनसे प्रेरणा लेते हुए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार ने आंबेडकर जयंती का कार्यक्रम किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सभी स्कूलों में आने वाले एक पखवाड़े में आंबेडकर जयंती मनाने की योजना है। दिल्ली सरकार इस दौरान जनता को जोड़कर आंबेडकर के विचारों को फैलाने का प्रयास करेंगी।

हेल्थ टूरिज्म से चिकित्सा सुविधाओं में होगा सुधार, आर्थिक तौर पर दिल्ली होगी मजबूत : सीएम गुप्ता

नई दिल्ली। सर गंगा राम अस्पताल ने अपने 70वें स्थापना दिवस समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मंच से सीएम ने चिकित्सा सुविधाओं को लेकर अपनी सरकार की प्राथमिकताएं बताईं और खासतौर पर 'हेल्थ टूरिज्म' का जिक्र किया। सीएम रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा, "जब मैं सर गंगा राम अस्पताल को देखती हूं, तो पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूं कि यह एकमात्र ऐसा अस्पताल है, जिसके खिलाफ कभी कोई शिकायत नहीं आई। यहां किसी ने कभी नहीं कहा कि उनके साथ ग्राहक जैसा व्यवहार किया गया।

हर व्यक्ति को मरीज के रूप में देखा जाता है, न कि राजस्व स्रोत के रूप में। इसके लिए मैं गंगा राम की पूरी टीम को तहे दिल से बधाई देती हूं।" सीएम रेखा गुप्ता ने सर गंगा राम अस्पताल की देशव्यापी पहचान पर गर्व जताया और कहा, "आज यह अस्पताल पूरे देश में अपनी साख रखता है। लेकिन मुझे अफसोस है कि पिछली सरकारों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उतना काम नहीं किया, जितना होना चाहिए था। कोविड महामारी के दौरान कई लोगों ने बिना इलाज के अपनी जान गंवाई, और उस समय राज्य सरकारों की निष्क्रियता सामने आई थी।" उन्होंने हेल्थ टूरिज्म को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, "मैं चाहती हूं कि दिल्ली को इतना सशक्त बनाया जाए कि विश्वभर के लोग यहां इलाज के लिए आएं। स्वास्थ्य पर्यटन से न केवल चिकित्सा सेवाएं मजबूत होंगी, बल्कि आर्थिक क्षेत्र को भी बल मिलेगा।

गुप्ता ने दिल्ली सरकार की ओर से अस्पतालों को सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सर गंगा राम जैसे संस्थान दिल्ली सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे। हम जमीन उपलब्ध कराएंगे ताकि हर व्यक्ति को बेहतर इलाज मिल सके। समाज को ऐसे संस्थानों की जरूरत है, जो स्वास्थ्य सेवा को सेवा का माध्यम मानकर काम करें।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली जिला पुलिस फॉरनर सेल ने 11 अप्रैल को अवैध रूप से भारत में रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी बांग्लादेशी नागरिक के खिलाफ एफआरआरओ की मदद से निर्वासन कार्यवाही शुरू कर दी गई है। 23 वर्षीय मोहम्मद नाहिद मियाह भुगली, मीरपुर बाजार, बांग्लादेश का रहने वाला है। उल्लेखनीय है कि बाहरी जिला पुलिस इस वर्ष 11 बांग्लदेशी नागरिकों को पकड़ चुकी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इंस्पेक्टर सुंदर सिंह, एसआई अनिल कुमार और हेडकांस्टेबल उम्मेद की टीम ने 11 अप्रैल को विशेष सत्यापन अभियान चलाया था। इसी अभियान के दौरान पुलिस टीम जब पीरागढ़ी फ्लाईओवर के पास पहुंची तो उन्होंने एक संदिग्ध को जांच के लिए रोका और पूछाताछ शुरू की। आरोपी ने खुद को पश्चिम बंगाल का नागरिक बता कर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी से पहचान संबंधित दस्तावेज मांगे तो वह वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। पुलिस ने उसे हिरासत में ले कर पूछताछ शुरू की।जांच में उसके पास से बांग्लादेश के पहचान संबंधित दस्तावेज बरामद किए गए। आरोपी के पास भारत में आने के जो दस्तावेज थे वह यहां रहने के लिए वैध नहीं थे। जिसके चलते उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को एफआरआरओ के सामने पेश कर उसके निर्वासन की कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

कार ने स्कूटी को मारी टक्कर, एक की मौत, दो लोग घायल

नई दिल्ली। पीरागढ़ी फ्लाईओवर पर स्कूटी रोककर वीडियो कॉल में व्यस्त स्कूटी सवार को पीछे से एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से स्कूटी सवार एक युवक फ्लाईओवर के नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। जबकि स्कूटी सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों को रोहिणी सेक्टर-3 स्थित जयपुर गोल्डन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां इलाज जारी है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 12 अप्रैल की शाम करीब 7:45 बजे, जयपुर गोल्डन अस्पताल, सेक्टर-3, रोहिणी से पुलिस थाना मंगोलपुरी को एक सूचना मिली कि एक अज्ञात युवक की नवजीवन अस्पताल, पीरागढ़ी फ्लाईओवर के सामने दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। मृतक के साथ दो और युवक थे, जो गंभीर रूप से घायल है। जिनकी उम्र 21 से 23 वर्ष के बीच है। पुलिस जांच में पता चला कि सभी पालम कॉलोनी के रहने वाले हैं। पूछताछ के दौरान, यह पता चला कि तीनों व्यक्ति क्रिकेट मैच में भाग लेने के बाद एक ही स्कूटी पर दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय से पालम लौट रहे थे। नवजीवन अस्पताल, पीरागढ़ी फ्लाईओवर के सामने से गुजरते समय इनमें से एक युवक के मोबाइल पर घर से एक वीडियो कॉल आया। ऐसे में, उन्होंने फ्लाईओवर पर अपनी स्कूटी रोक दी। इस दौरान, एक सफेद रंग की कार ने उनकी खड़ी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण एक युवक फ्लाईओवर से नीचे गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई।

नाबालिग की चाकू घोपकर हत्या, 3 नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के गोविंदपुरी इलाके में शनिवार देर रात एक 17 वर्षीय नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतक की पहचान कृष के रूप में हुई है। गोविंदपुरी थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर तीन नाबालिग को पकड़ा। पूछताछ में नाबालिगों ने खुलासा किया कि मृतक उनके साथ स्कूल में पढ़ता था। वह छोटी-छोटी बातों पर उनकी पिटाई करता था। उसने उन्हें धमकी दी थी कि वह उन्हें और उनके परिवारों को नुकसान पहुंचाएगा। मार पिटाई से तंग आकर तीनों नाबालिगों ने मृतक को सबक सीखने की योजना बनाई। बीती रात उसे बात करने के लिए बुलाया और उसके ऊपर चाकू से हमला किया।

अवैध बोरवेल से पानी निकालना पाप से कम नहीं: दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि अवैध बोरवेल से पानी निकालना पाप से कम नहीं है, ऐसा करने वालों पर रोक लगाई जानी चाहिए। उच्च न्यायालय ने कहा कि अगर ऐसे अवैध बोरवेल बंद नहीं किए गए, तो दिल्ली को कुछ साल पहले दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में बने हालात जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, जहां पानी के लिए हाहाकार मच गया था। मुख्य न्यायाधीश डी. के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने नौ अप्रैल को कहा, "किसी तरह की रोक लगाने की जरूरत है।

अवैध बोरवेल जिस तरह से जल स्तर को कम कर रहे हैं, वह किसी पाप से कम नहीं है। क्या आप जानते हैं कि जोहानिसबर्ग में क्या हुआ था? कुछ साल पहले शहर में कई महीनों तक पानी नहीं था। उन्हें बड़े जल संकट का सामना करना पड़ा। क्या आप चाहते हैं कि दिल्ली में भी ऐसी स्थिति आए?" अदालत ने नगर निगम अधिकारियों से सवाल किया कि वे निर्माण कार्यों के लिए बोरवेल की अनुमति कैसे दे सकते हैं। अदालत वकील सुनील कुमार शर्मा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दावा किया गया था कि रोशनआरा इलाके में गोयनका रोड पर एक निर्माणाधीन इमारत में कई बोरवेल या सबमर्सिबल पंप अवैध रूप से लगाए गए हैं। याचिका में इन्हें हटाने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने अदालत को यह भी बताया कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) आवेदन में जवाब दिया है कि इमारत में छह बोरवेल लगे हुए पाए गए। शर्मा ने कहा कि जबकि दरियागंज के एसडीएम ने आरटीआई आवेदन में जवाब दिया है कि इमारत में तीन बोरवेल पाए गए, जिन्हें सील कर दिया गया है। अदालत ने एमसीडी, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेही) और क्षेत्र के एसएचओ को संपत्ति का संयुक्त सर्वेक्षण करने का आदेश दिया।

पीठ ने कहा, ₹ऐसी अवैध गतिविधियों के कारण लगातार घटते जल स्तर को देखते हुए, हम एमसीडी आयुक्त, दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ और संबंधित थाने के एसएचओ द्वारा नामित उच्च पदस्थ अधिकारियों की एक टीम को इमारत का सर्वेक्षण करने का निर्देश देते हैं।₹ अदालत ने कहा कि टीम को 10 दिन के अंदर सर्वेक्षण करके एक रिपोर्ट दाखिल करनी चाहिए। अदालत ने यह निर्देश भी दिया कि यदि निर्माण स्थल पर कोई अवैध बोरवेल चालू पाया जाता है, तो अधिकारी उचित कार्रवाई करें। अदालत ने कहा कि यदि सर्वेक्षण टीम को पता चलता है कि अवैध बोरवेल पहले चालू थे, तो उन्हें अपनी रिपोर्ट में मशीनों की संख्या और वे कब से चालू हैं, इसका उल्लेख करना चाहिए।

पीठ ने कहा कि रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर, वह जल स्तर को नुकसान पहुंचाने के लिए भवन मालिकों पर पर्यावरण जुर्माना लगाने पर विचार करेगी। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 जुलाई की तारीख तय की। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में दावा किया है कि इमारत का मालिक भूखंड पर करीब 100 फ्लैट बना रहा है और बोरवेल से इलाके के निवासियों को काफी नुकसान हो रहा है, साथ ही इससे पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच सकता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने आंबेडकर की प्रतिमा का किया अनावरण

नई दिल्ली। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती से एक दिन पहले रविवार को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने काली मस्जिद डीडीए फ्लैट्स (सीताराम बाजार वार्ड) में आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा इस प्रतिमा को स्थापित किया गया है। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग एवं दुष्यंत कुमार गौतम, एसोसिएशन अध्यक्ष नरेश कुमार, पूर्व विधायक राजकुमार आनंद, पूर्व पार्षद राकेश कुमार, प्रदेश भाजपा के सह-कार्यालय मंत्री अमित गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी और स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ एवं दुष्यंत गौतम ने उपस्थित लोगों को बाबा साहेब के विचारों और उनके योगदान को स्मरण कराते हुए उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के स्मरण मात्र से हम में समाजिक चेतना आती है। सचदेवा ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनसे स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष ने इस दौरान पुरानी यादें ताजा की। वीरेन्द्र सचदेवा ने यहां अपना बचपन बिताया था। उन्होंने वहां कुछ समय बिताया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर समाजिक न्याय और एकता के प्रतीक हैं। सचदेवा ने कहा कि डॉ. आंबेडकर सिर्फ संविधान निर्माता नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान के प्रतीक हैं। यह प्रतिमा हमें हमेशा याद दिलाती रहेगी कि एक बेहतर और समावेशी समाज की नींव उच्च विचारों और संघर्ष से पड़ती है। हम उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल श्रद्धांजलि है, बल्कि समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास भी है।

तेज रफ्तार कार ने दो को कुचला एक की मौत एक घायल

नई दिल्ली। तेज रफ्तार एक बेलगाम कार ने एक के बाद एक कई वाहनों को टक्कर मारने के बाद फुटपाट पर बैठे बुजुर्ग पर कार चढ़ा दी। मामला नंदनगरी इलाके का है जहां हादसे में बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई मृतक भोगी राम है। घायलों को अलग-अलग अस्पताल में भेजा गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सुरक्षित शवगृह में रखवा दिया है। गुस्साई भीड़ ने कार में तोडफ़ोड़ कर दी। खबर मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को वहां से हटाया। आरोपी चालक बिलाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि हादसे के समय बिलाल चप्पल पहनकर कार चला रहा था। चप्पल कार की रेस में फंस गई जिससे कार अनियंत्रित हो गई। मामले की जांच की जा रही है। आरोपी ने एक बाइका, स्कूटी और विक्की को टक्कर मारी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से हादसे की पड़ताल कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि थाना नंद नगरी में सडक़ दुर्घटना के बारे में सूचना प्राप्त हुई। पुलिस टीम ने पहुंचकर दुर्घटना में घायल वाहन वैगन आर कार को दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में पाया, 2 पीड़ितों, भोगी राम और सुभाष चंद, को जी.टी.बी. अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पीड़ित भोगी राम को मृत घोषित कर दिया, जबकि सुभाष चंद का इलाज चल रहा है। दुर्घटना के समय दोनों पैदल यात्री थे। थाना नंद नगरी में मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी बिलाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। भोगी राम परिवार के साथ नंद नगरी इलाके में रहते थे। इनके परिवार में पत्नी सुनीता के अलावा दो बेटे रणवीर, सुभाष व एक बेटी अंजली है। शनिवार दोपहर के समय भोगीराम खाना कर मेन रोड पर पहुंचे और फुटपाथ पर बैठ गए। वह वहां कुछ लोगों से बैठकर बात कर रहे थे। इस बीच अचानक अचानक एक वैगनआर कार ने कई वाहनों और लोगों को टक्कर मारने के बाद फुटपाथ पर बैठे भोगीराम पर कार चढ़ा दी।

एसओएल के छात्रों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग की बीए प्रोग्राम कोर्स की कक्षाएं रविवार को समाप्त हो गई। छात्रों ने बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इन छात्रों के संगठन क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) ने एसओएल के छात्रों के साथ मिलकर डीयू आर्ट्स फैकल्टी पर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना था कि उनका पाठ्यक्रम पूरा हो गया है लेकिन उन्हें पूरा स्टडी मटेरियल भी नहीं मिला है। ऐसे में अगले महीने से शुरू होने वाली परीक्षा में छात्रों के बड़ी संख्या में फेल होने की आशंका है। संगठन का आरोप है कि पहले की तरह इस सेमेस्टर में भी छात्रों को केवल 10 से 15 कक्षाएं ही दी गई हैं, जो सिलेबस पूरा करने के लिए काफी नहीं हैं। यह कक्षाएं छात्रों की समझ बढ़ाने और उनके संदेहों को दूर करने के लिए बेहद जरूरी होती हैं। इतनी कम कक्षाओं के चलते छात्रों के लिए सिलेबस को अच्छी तरह से समझ पाना बेहद कठिन है।

हथियार के साथ आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गैंगस्टर मंजीत महल के गैंग के एक सदस्य को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश की पहचान दिनेश उर्फ राजेश उर्फ मोगलीके रूप में हुई है। वह जाफरपुर कलां स्थित गांव दरियापुर खुर्द का रहने वाला है। पुलिस ने बदमाश के पास से एक पिस्टल बरामद की है। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने रविवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि गैंगस्टरमंजीत महल के गैंग के कुछ लोग गैंगवार की वारदात को अंजाम देने वाले है।

सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने मंजीत महल के गिरोह के सदस्यों पर नजर रखनी शुरू की। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि गिरोह का कुख्यात बदमाश दिनेश नजफगढ़ में आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने आरोपित को दबोचा। तलाशी लेने पर उसके पास से एक पिस्टल बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि जब वह 11वीं कक्षा में था तो वह गलत संगत में पड़ गया और मंजीत महल गैंग के गैंगस्टर रविंदर उर्फ भोलू के संपर्क में आया। दिनेश ने व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण अपना गांव छोड़ दिया और रविंदर उर्फ भोलू के साथ मित्रांव गांव में रहने लगा। 2015 के नए साल की पूर्व संध्या पर आरोपित ने रविंदर भोलू के साथ मिलकर अपने प्रतिद्वंद्वी नवीन खाती गैंग के 4 सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी और बाद में शवों को बहादुरगढ़ के पास इस्सरहेड़ी गांव के सुनसान जंगल में जला दिया।

उक्त मामले में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में वह 7 साल की न्यायिक हिरासत के बाद जमानत पर बाहर आया। आगे पूछताछ में आरोपित ने बताया कि न्यायिक हिरासत में वह हरियाणा के राजेश सरकारी गिरोह और मंजीत महाल गिरोह के और करीब आ गया। आरोपित अब अपने गिरोह का प्रभाव बढ़ाना चाहता था।

महिपालपुर में पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में पति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के महिपालपुर इलाके में पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में पति को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि पति ने घरेलू विवाद में पत्नी की हत्या की। उन्होंने बताया कि आरोपी अमित सहरावत ने शुरू में इसे आत्महत्या का मामला बताने की कोशिश की लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और बाद में गुनाह कबूल करने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि यह घटना छह मार्च को उस समय प्रकाश में आई, जब पीसीआर कॉल पर सूचना मिली कि महिपालपुर में एक महिला का शव घर में फंदे से लटका हुआ है। उन्होंने बताया कि कल्पना (28) नाम की महिला को वसंत कुंज के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि महिला के माता-पिता द्वारा दहेज उत्पीड़न को लेकर कोई शिकायत नहीं दी गयी थी, ऐसे में अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत जांच शुरू की गयी। अधिकारी ने बताया, "कल्पना की शादी छह वर्ष पहले अमित से हुई थी और उनका पांच साल का एक बच्चा है। उसके माता-पिता ने पुलिस को बताया कि दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे लेकिन उन्होंने पति पर दहेज से संबंधित दुर्व्यवहार का आरोप नहीं लगाया।

आठ मार्च को सफदरजंग अस्पताल में किए गए पोस्टमार्टम से पता चला कि कल्पना की मौत गला घोंटने के कारण दम घुटने से हुई थी। उन्होंने कहा कि जांच के नतीजे आत्महत्या के सिद्धांत के विपरीत थे। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अमित को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान अमित ने कबूल किया कि पांच मार्च को एक शादी में शामिल होने और उसमें शराब पीने के बाद वह अपने चचेरे भाई की मदद से घर लौटा। पुलिस ने बताया कि इसके बाद कल्पना के साथ उसका झगड़ा हुआ, जिसके दौरान अमित ने गुस्से में आकर उसका गला घोंट दिया और बाद में इसे आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे से लटका दिया। पुलिस के मुताबिक, अमित को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया और घटनाओं के पूरे क्रम का पता लगाने के लिए मामले की जांच जारी है।

6 साल पहले हुई थी महिला की शादी

अधिकारी ने बताया कि कल्पना की शादी छह वर्ष पहले अमित से हुई थी और उनका पांच साल का एक बच्चा है। उसके माता-पिता ने पुलिस को बताया कि दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे लेकिन उन्होंने पति पर दहेज से संबंधित दुर्व्यवहार का आरोप नहीं लगाया। आठ मार्च को सफदरजंग अस्पताल में किए गए पोस्टमार्टम से पता चला कि कल्पना की मौत गला घोंटने के कारण दम घुटने से हुई थी। उन्होंने कहा कि जांच के नतीजे आत्महत्या के सिद्धांत के विपरीत थे।

संपादकीय
आदित्य वशिष्ठ

कांग्रेस का पुनरोत्थान कैसे

कांग्रेस का गुजरात अधिवेशन सम्पन्न हो गया। गुजरात में जनवरी, 1961 के बाद, यानी 64 लंबे सालों के बाद कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ है। चूंकि महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष होने की 100वीं सालगिरह है और सरदार पटेल की 150वीं जयंती का वर्ष है, लिहाजा विरासत की जमीन पर दोबारा खड़े होने और उसके आधार पर राजनीति करना तय किया गया। सवाल है कि आज ही गांधी-पटेल सरीखे महानायकों के गढ़ की याद क्यों आई, जबकि लोकतंत्र, समाजवाद, समावेशिता, धर्मनिरपेक्षता आदि कांग्रेस के परंपरागत वैचारिक मूल्य आज धुंधले हैं। उनके जुमले ही सुनाई देते हैं। गुजरात 1995 से भाजपा का राजनीतिक गढ़ है। भाजपा लगातार 7 चुनाव जीत चुकी है। मौजूदा सदन में कांग्रेस के मात्र 12 विधायक हैं और गुजरात में भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति को ध्वस्त करने की हुंकार कांग्रेस ने भरी है। कांग्रेस के सामने प्रासंगिक और स्वीकार्य होने की बेहद गंभीर चुनौती है। अधिवेशन के उपसंहार में विचारधारा और राष्ट्रवाद पर डटे रहने का आह्वान निहित है, लेकिन पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दलितों, मुसलमानों के अलावा ओबीसी को भी कांग्रेस के साथ जोड़ने की बात कही है। ब्राह्मण लगभग भाजपा के पाले में जा चुके हैं। दरअसल 1990 में मंडल आयोग की रपट पारित करने के बाद ओबीसी कांग्रेस का समर्थक-वर्ग रहा ही नहीं। पिछड़े और अति पिछड़े स्थानीय और क्षेत्रीय दलों के बीच बंट गए अथवा मोदी के राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र-बिंदु बनने के बाद ओबीसी भाजपा की ओर ध्रुवीकृत हो गए। कांग्रेस ओबीसी के बीच अपना जनाधार कैसे बनाएगी, अधिवेशन के बावजूद यह स्पष्ट नहीं हुआ। इंदिरा गांधी के दौर में जब कांग्रेस सत्तारूढ़ होती थी, तब भी दलित, मुसलमान, सवर्ण, आदिवासी कांग्रेस के जनाधार होते थे, लेकिन पिछड़े कम ही कांग्रेस के साथ थे। अब कांग्रेस का नए सिरे से पुनरोत्थान कैसे होगा और वह पहले की तरह स्वीकृत और स्थापित पार्टी कैसे बनेगी, इस पर दावे तो खूब किए गए हैं, नेताओं-कार्यकर्ताओं का जोशीला आह्वान भी किया गया है, लेकिन पार्टी के जिला अध्यक्षों को ताकतवर बनाने से ही यह लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। राष्ट्रवाद आरएसएस-भाजपा का स्वीकार्य विचार है। महात्मा गांधी का राष्ट्रवाद बिल्कुल ही अलग है। कमोबेश कांग्रेस ने गांधी के राष्ट्रवाद को नहीं अपनाया है। कांग्रेस का राष्ट्रवाद क्या जातीय जनगणना से ही तय होगा? जातीय जनगणना और संविधान का फर्जी नेरेटिव कांग्रेस, सपा और विपक्ष के एक तबके ने लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचारित किया था। खासकर दलितों में भ्रम फैलाया गया कि यदि भाजपा-एनडीए को 400 सीटें मिल गईं, तो सरकार संविधान को बदल सकती है। यदि संविधान के कुछ विशेष प्रावधान खत्म किए गए, तो आरक्षण भी समाप्त हो सकता है। केंद्र में भाजपा-एनडीए की सरकार है और संविधान-आरक्षण के साथ ऐसा कुछ भी नहीं किया गया है, लिहाजा जो दलित कांग्रेस की ओर गए थे, अब लौट कर अपना नया नेतृत्व तलाश रहे हैं। कांग्रेस को अपने संगठन को चुस्त-दुरुस्त करना होगा और अहम मसलों पर सरकार को घेरने की ठोस रणनीति बनानी होगी।

राणा के बहाने उजागर हो पाक का पूरा आतंकी सच

भारत को देश के अन्य शत्रुओं एवं आतंकियों को भी दंडित करने-कराने के प्रति प्रतिबद्ध रहना होगा। उन्हें और पाकिस्तान सरीखे उनके आकाओं को यह संदेश नए सिरे से देना होगा कि भारत अपने दुश्मनों को न तो भूलता है और न माफ करता है। तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत है, लेकिन इसे आतंकवाद के खिलाफ एक छोटा पडाव मानते हुए अभी कई मोर्चें पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू हुआ है। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। राणा के बहाने पाकिस्तान के मनसूंबों को बेनकाब करना ज्यादा जरूरी है, इससे कई राज खुलने और जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इस हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश भी जाने एवं दुनिया भी समझे, तभी राणा का भारत आना सफल एवं सार्थक होगा।

- ललित गर्ग

मुंबई में भीषण, खौफनाक एवं दर्दनाक आतंकी हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल रहने वाले पाकिस्तान मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाया जाना किसी उपलब्धि से कम नहीं है, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक जीत एवं भारत की कानून की बड़ी सफलता है। लगभग 170 लोगों की दर्दनाक मौत, क्रूरता एवं अमानवीयता का डरावना मंजर एवं देशवासियों की आंखों को गमगीन करने वाले इस आतंकी हमले के मास्टरमाइंड राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिये एक उजली किरण बनकर प्रस्तुत हुई है। 26-11-2008 एक ऐसी डरावनी तारीख है जिसे याद करके देशवासी सिहर जाते हैं। दहशत की तस्वीरें आंखों के सामने आ जाती हैं। यह तारीख मुम्बई के पुराने घाव को न केवल कुरेदती है बल्कि टीस भी पैदा करती है कि 150 करोड़ का यह देश अब तक क्यों नहीं राणा का प्रत्यर्पण कराकर उसे दर्दनाक सजा दे पाया। अब राणा के भारत के शिकंजे में आ जाने से 26-11 के घावों पर कुछ मरहम लगेगा क्योंकि मुम्बई एवं देश आज भी जख्मों का हिसाब मांगती है।

देर आये दुरस्त आये की कहावत को चरितार्थ करते हुए अब देश का खतरनाक दुश्मन हाथ आ गया है तो उसे ऐसी सजा दी जाये कि न केवल पाकिस्तान, पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एवं दुनिया में आतंक फैलाने वाले सहम जाये कि भविष्य में ऐसी घटना करने का दुस्साहस न कर सके। यह तो तय है कि राणा से पूछताछ में कई राज खुलेंगे, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि क्या उसे फांसी की सजा देना संभव होगा? भारत सरकार को ऐसे कूटनीतिक एवं साहसिक प्रयत्न करने होंगे, जिससे उसे फांसी की सजा देना संभव हो सके और वह भी कम से कम समय में। मुंबई हमले के दौरान पकड़े गए आतंकी अजमल कसाब को सजा देने में चार साल लग गए थे। इतनी देरी राणा के मामले में नहीं होनी चाहिए। यह ऐसा मामला है, जिस पर देश के साथ दुनिया की भी निगाह होगी। राणा की सजा से ही भारत के न्यायतंत्र की त्वरता एवं तत्परता सामने आयेगी। क्योंकि खूंखार आतंकियों को सजा देने में देरी से आतंक से लड़ने की प्रतिबद्धता पर प्रश्नचिह्न टंकते है।

17 साल बाद आज भी महानगर मुम्बई की वह काली रात एवं गोलियों की गूंज से सब दहल उठते है, सहम जाते हैं। उस दिन पाक प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने एक साथ कई जगहों पर हमला किया। लियो पोर्ल्ड कैफे और छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से शुरू हुआ मौत का दर्दनाक तांडव ताजमहल होटल में जाकर खत्म हुआ। जिसमें आतंकवाद निरोधक दस्ते यानि एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे, मुम्बई पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त अशोक कामटे और पुलिस इंस्पेक्टर विजय सालस्कर शहीद हुए। आतंकवादी कसाब को जिन्दा पकड़ने वाले साहसी सब इंस्पेक्टर तुकाराम को कौन भुला सकता है, जो एक दूसरे आतंकवादी की गोलियों का शिकार होकर भी, जान की बाजी लगाकर कसाब को पकड़ने में सफलता पायी, भले ही इस एकमात्र पाकिस्तानी आतंकवादी कसाब को सजा-ए-मौत दी गई लेकिन इस हमले ने क्रूरता के जो निशान छोड़े वे आज भी मुम्बई में मौजूद हैं, भारत के जन-जन के हृदय पटल पर अंकित है।

कौन नहीं जानता कि तहव्वुर राणा ने दाऊद सईद गिलानी यानि डेविड कोलमैन हेडली के साथ मिलकर हमले की साजिश रची थी। डेविड हेडली ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मुम्बई में फर्स्ट वर्ल्ड इमीग्रेशन सर्विसिज के नाम से एक कम्पनी का कार्यालय खोला और खुद को बिजनेसमैन के रूप में पेश किया। धीरे-धीरे उसने फिल्म जगत में नामी-गिरामी हस्तियों से जान-पहचान बढ़ाई। भारत यात्रा के दौरान उसने मुम्बई एवं देश के अन्य हिस्सों की रेकी की जहां पर हमला किया जाना था। पाकिस्तानी पिता और अमरीकी मां की औलाद हेडली अमरीका में एक समय रंगीन जिन्दगी गुजार चुका था जिसके दौरान ड्रग्स की तस्करी के लिए उसे जेल भी हुई थी। भारत ने हेडली के प्रत्यर्पण के लिए भी अनुरोध किया था, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने उसे छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि कई मामलों और डेनमार्क में एक हमले की नाकाम साजिश सहित 12 आतंकवाद से संबंधित आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार की थी। उसने लश्कर, आईएसआई और अलकायदा के राज अमेरिका को बताए तब से ही हेडली अमेरिका की सम्पत्ति बन गया है। फिलहाल हेडली का अमेरिका में सुरक्षित रहना बड़े सवाल खड़े करता है। इस बीच भारत ने राणा को मोस्ट वॉन्टेड घोषित कर दिया और 28 अगस्त 2018 भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने, युद्ध छेड़ने, हत्या, जालसाजी और आतंकवादी हमले के आरोपों पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अब सवाल यह है कि अमेरिका ने राणा को तो भारत के हवाले कर दिया लेकिन वह डेविड हेडली के मामले में क्यों खामोश है?

राणा को भारत लाया जाना, भारत के शिकंजे में आना भारत की बहुत बड़ी कूटनीतिक जीत है। राणा पाकिस्तानी सेना का पूर्व अधिकारी है। चूंकि उसने आतंकी संगठन लश्कर एवं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से मिलकर मुंबई हमले की साजिश रची थी, इसलिए उससे गहन पूछताछ करके पाकिस्तान को नए सिरे से न केवल बेनकाब करना होगा, बल्कि उस पर इसके लिए दबाव भी बनाना होगा कि वह मुंबई हमले के अन्य गुनहगारों को भी दंडित करे। इस हमले के गुनहगार पाकिस्तान में खुले घूम रहे हैं। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को भारत भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि राणा ने कई हथकंडे अपनाए लेकिन अमेरिकी अदालतों में उसकी सारी याचिकाएं ठुकरा दी गईं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की यह आज तक की सबसे बड़ी जीत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इसके लिए कूटनीतिक प्रयास करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भारत विश्व के सर्वाधिक पाकिस्तान पोषित आतंकवाद प्रभावित देशों में से एक है। 26-11 के मुंबई हमलों के अलावा 2008 में ही जयपुर विस्फोट, काबुल में भारतीय दूतावास के अलावा अहमदाबाद, दिल्ली और असम के विस्फोट भी शामिल थे। यह संतोषजनक तो है कि अमेरिका ने देर से सही, राणा को भारत को सौंप दिया। यदि ट्रंप फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं बनते तो शायद राणा को भारत लाना और मुश्किल होता। जो भी हो, भारत को केवल इतने से ही संतोष नहीं करना चाहिए कि अंततः एक बड़ा आतंकी उसके हाथ लग गया। भारत को देश के अन्य शत्रुओं एवं आतंकियों को भी दंडित करने-कराने के प्रति प्रतिबद्ध रहना होगा। उन्हें और पाकिस्तान सरीखे उनके आकाओं को यह संदेश नए सिरे से देना होगा कि भारत अपने दुश्मनों को न तो भूलता है और न माफ करता है।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत है, लेकिन इसे आतंकवाद के खिलाफ एक छोटा पडाव मानते हुए अभी कई मोर्चें पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू हुआ है। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। राणा के बहाने पाकिस्तान के मनसूंबों को बेनकाब करना ज्यादा जरूरी है, इससे कई राज खुलने और जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इस हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश भी जाने एवं दुनिया भी समझे, तभी राणा का भारत आना सफल एवं सार्थक होगा।

पटेल को लेकर कांग्रेस कार्यसमिति में जो कहा गया, उससे अलग है सच

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कांग्रेस द्वारा किए जानेवाले कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए जिस बात पर जोर दिया, वह था कि 'सरदार पटेल और नेहरूजी के बीच गहरे और मधुर संबंध थे' किंतु इतिहास तो कुछ और ही कह रहा है। अब कांग्रेस इस बात को कितना छिपाएगी कि जवाहरलाल नेहरू ने अपने समय में सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे श्रेष्ठ नेताओं के साथ कैसा व्यवहार किया है। आज कांग्रेस सरदार पटेल को लेकर कितना ही झूठा नैरेटिव गढ़ने का प्रयास करे लेकिन इससे सच नहीं बदलने वाला है। इतिहास काल का वह पन्ना है, जिसमें एक बार जो कहानी लिख जाती है, वह फिर मिटाए नहीं मिटती। क्योंकि ये इतिहास फिर कभी अपनी वैसी ही पुनरावृत्ति नहीं करता, जैसा कि तत्कालीन समय में घटता है।

कांग्रेस ने वास्तव में जो सरदार पटेल के साथ किया, उसे कभी माफ नहीं किया जा सकेगा। पटेल की जब मृत्यु हुई तब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की एक घोषणा सामने आई और इस घोषणा के तुरन्त बाद एक आदेश भी आया। उस आदेश में दो बातों का प्रमुखता से जिक्र था, पहला-सरदार पटेल को दी गयी सरकारी कार उसी वक्त वापस ले ली जाय और दूसरा, गृह मंत्रालय के वे सचिव/अधिकारी जो सरदार-पटेल के अन्तिम संस्कार में बम्बई जाना चाहते हैं, वे अपने खर्चे पर जाएं। पटेल के प्रति नेहरू के अंदर का विद्वेष इतना करके भी रुक जाता तब भी बहुत होता; किंतु वह कहां माननेवाले थे। उसके बाद नेहरू ने अपने मंत्रिमंडल की तरफ से तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को कहलवाया कि वे पटेल के अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए नहीं जाएं। पर जब नेहरू को पता चला कि वे अंतिम संस्कार में जा रहे हैं तो तुरंत उन्होंने वहां सी. राजगोपालाचारी को भेजा और जो सरकारी श्रद्धाजंलि (स्मारक) पत्र राष्ट्रपति के नाते डॉ. प्रसाद द्वारा पढ़ा जाना था, वह उनसे न पढ़वाते हुए उसे सी. राजगोपालाचारी को सौंप दिया गया।

इतना होने के बाद भी जवाहरलाल नेहरू के अंदर सरदार पटेल को लेकर जो गुस्सा भरा था, वह कम होने का नाम नहीं ले रहा था। यदि यह सच नहीं है, तो फिर क्यों बार-बार कांग्रेस के अन्दर से स्व. पटेल के स्मारक बनाने की मांग उठ रही थी और कहा जा रहा था कि इतने बड़े नेता की याद में सरकार को कुछ करना चाहिए पर नेहरू लगातार विरोध करते रहे, फिर जब नेहरू ने देखा कि पार्टी में उनके प्रति मनमुटाव पैदा हो रहा है, तब जाकर उन्होंने इस बारे में सोचे जाने और कुछ करने की हामी भरी थी। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में नेहरू के खिलाफ पटेल के नाम को रखने वाले वरिष्ठ कांग्रेसी पुरुषोत्तमदास टंडन को पार्टी से बाहर कर देने का उनका फरमान भी पटेल के प्रति नेहरू की अंदरूनी नफरत को प्रदर्शित करता है। जबकि होना ये चाहिए था कि समर्पण दोनों तरफ का होता, देश की स्वाधीनता में जो सरदार पटेल का योगदान रहा, वह अद्वितीय है, जो सरदार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे थे, उन्होंने महात्मा गांधी के कहने पर गृहमंत्री बनना स्वीकार किया। फिर भी हो क्या रहा था? ये समर्पण एकतरफा दिखाई दे रहा था। नेहरू का रुख सरदार के प्रति उनके अंतिम समय तक नहीं बदला।

दूसरी ओर सरदार वल्लभ भाई पटेल महात्मा गांधी से वचनबद्ध थे, वह पहले ही उनके सामने ये हामी भर चुके थे कि वे नेहरू को अकेला नहीं छोड़ेंगे, जब तक उनकी सासें चल रही हैं, उनका नेहरू के प्रति एकतरफा समर्पण रहेगा। जो उन्होंने महात्मा गांधी से कहा, उसे अपनी अंतिम सांस तक पूरी शिद्दत के साथ निभाया भी। किंतु दूसरी तरफ जवाहरलाल थे, जिन्होंने पटेल को लेकर अपनी अंदर एक नकारात्मक ग्रंथी एकबार पाल ली तो वे कभी उससे बाहर ही नहीं निकले। विजन बुक्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'इनसाइड स्टोरी ऑफ सरदार पटेलः द डायरी ऑफ मणिबेन पटेल 1936-50' जोकि सरदार पटेल की बेटी द्वारा अब तक अज्ञात डायरी का पहला प्रकाशन है, बहुत कुछ कह देती है। वस्तुतः मणिबेन आमतौर पर पटेल के साथ हर जगह जाती थीं और सरदार की ज्यादातर बैठकों में उनके साथ मौजूद रहती थीं। इसलिए वह इन बैठकों में होने वाली घटनाओं और सरदार के विचारों और विभिन्न ऐतिहासिक और संवेदनशील मुद्दों पर उनके अंतरतम विचारों से अवगत थीं, जिन्हें वह अक्सर अपने सबसे करीबी दोस्तों और सहकर्मियों के सामने भी व्यक्त नहीं कर पाते थे।

इसके अलावा, गांधीजी की देखभाल में कई साल बिताने और उच्च बुद्धि रखने के कारण, मणिबेन उस समय की घटनाओं और नाटकीय पात्रों के संदर्भ और महत्व दोनों को समझती थीं। यह डायरी 8 जून 1936 से लेकर 15 दिसंबर 1950 को सरदार की मृत्यु तक की है, इसमें 1945 में पटेल की जेल से रिहाई के बाद का विस्तृत विवरण है। इसमें भारत के इतिहास के उस निर्णायक काल के बारे में अक्सर खुलासा करने वाले, कभी-कभी विस्फोटक विवरण और अंतर्दृष्टि का खजाना है, जिसमें देश की स्वतंत्रता, विभाजन, रियासतों का एकीकरण, गांधी की हत्या और फिर भारत के स्वशासन के प्रारंभिक, महत्वपूर्ण वर्ष शामिल हैं, जिनमें पटेल की एक अपरिहार्य, महत्वपूर्ण भूमिका थी। अपनी इस डायरी में मणिबेन लिखती हैं, पटेल-नेहरू के मतभेदों में कई लोगों ने भूमिका निभाई थी, विशेष रूप से रफी अहमद किदवई, समाजवादियों और मौलाना आजाद ने भी। डायरी सरदार को मंत्रिमंडल से बाहर करने के लिए उनकी चालों का खुलासा करती है। मणिबेन ने लिखा हैः 'सरदार पटेल नेहरू-लियाकत अली समझौते से खुश नहीं थे क्योंकि इसने पूर्वी पाकिस्तान से हिंदुओं के पलायन को नहीं रोका जो बढ़ता ही गया और बड़ी संख्या में हिंदू भारत में पलायन करते रहे। पटेल ने देखा कि वे हत्याओं के बारे में इतने चिंतित नहीं थे, आखिरकार बंगाल के अकाल में 30 लाख लोग मारे गए थे, लेकिन वे महिलाओं पर हमले और उन्हें जबरन इस्लाम में धर्मांतरित किए जाने को बर्दाश्त नहीं कर सकते थे।'

(5 अप्रैल, 1950)। सरदार ने आगे कहाः 'सिंध, पंजाब, बलूचिस्तान और सीमांत प्रांतों में हिंदू पूरी तरह से खत्म हो चुके थे। पूर्वी पाकिस्तान में भी यही हो रहा था और हाफिजुर रहमान जैसे लोग, जो भारत में रह गए थे, भारत में मातृभूमि के लिए शोर मचा रहे थे। तब हमारी क्या स्थिति होगी? हमारी आने वाली पीढ़ियां हमें देशद्रोही कहेंगी।' (24 अप्रैल, 1950) मणिबेन ने कश्मीर के विभाजन की संभावना के बारे में नेहरू के कुछ वफादारों द्वारा की गई चर्चा का भी उल्लेख किया, जिसमें भारत द्वारा जम्मू को अपने पास रखना और शेष राज्य को पाकिस्तान को सौंपना शामिल था। पटेल ने जवाब दियाः 'हमें पूरा क्षेत्र चाहिए और पूरे कश्मीर के लिए लड़ाई।' (23 जुलाई, 1949)। इस पुस्तक में अनेक प्रसंग हैं जो यह बताते हैं कि कैसे एक राष्ट्रभक्त पटेल को परेशान करने का काम तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू कर रहे थे।

काशी विश्वनाथ मंदिर में रोजाना की जाती है भोग आरती, जानिए इसका धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में सोमवार के दिन देवों के देव महादेव की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाती है। साथ ही महादेव की कृपा पाने के लिए सोमवार का व्रत रखा जाता है। व्रत के पुण्य प्रभाव से व्यक्ति की हर मनोकामना पूरी होती है और जातक के सुख-सौभाग्य में भी वृद्धि होती है। वहीं कुंडली में चंद्रमा मजबूत करने के लिए भी जातक को महादेव की पूजा करने की सलाह दी जाती है। भगवान शिव की शरण में रहने से व्यक्ति को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। वैसे तो हमारे देश में भगवान शिव के तमाम मंदिर हैं। जिनकी अपनी विशेषता है। लेकिन क्या आपको पता है कि काशी विश्वनाथ मंदिर में भोग आरती का बड़ा महत्व होता है। वाराणशी का काशी विश्वनाथ मंदिर पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काशी नगरी को महादेव की नगरी कहा जाता है। इस मंदिर का इतिहास सदियों पुराना है। गंगा नदी के तट पर बसा यह शहर अपनी आध्यात्मिकता और खूबसूरती के लिए जाना जाता है। वहीं बड़ी संख्या में भक्त देश-विदेश से दर्शन के लिए काशी पहुंचते हैं। रोजाना काशी विश्वनाथ मंदिर में सप्तर्षि और मंगला आरती की जाती है। इसके अलावा मंदिर में भोग आरती का भी आयोजन किया जाता है। बता दें कि मंदिर में रोजाना भोग आरती रात में 9 बजे से लेकर 10:15 मिनट तक की जाती है। मंदिर में चार बार आरती की जाती है। वहीं अंतिम आरती भोग आरती होती है। भोग आरती में महादेव को भोग यानी प्रसाद भेंट किया जाता है। वहीं मां पार्वती को अन्नपूर्णा भी कहा जाता है। मां अन्नपूर्णा और भगवान शिव की पूजा करने से जातक को जीवन में कभी अन्न-धन की कमी नहीं रहती है। भोग आरती में शामिल होने के लिए भक्तजनों को रात 8:30 मिनट तक प्रवेश की अनुमति होती है। वहीं 12 साल तक के बच्चों की एंट्री फ्री है। देवों के देव महादेव अपने भक्तों के सारे दुख हर लेते हैं और उनकी महिमा निराली है। वह अपने भक्तों पर असीम कृपा बरसाते हैं और उनकी कृपा से सभी मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं। महादेव की पूजा करने से जातक के जीवन में सुखों का आगमन होता है और बाबा विश्वनाथ के दर्शन मात्र से सभी दुख दूर हो जाते हैं। इसलिए बड़ी संख्या में भक्त भोग आरती में शामिल होते हैं।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1434 - फ्रांस के विश्वविख्यात सेंट पीटर कैथेड्रल की आधारशिला रखी गई।
1659 - औरंगजेब ने दिल्ली पर हुकूमत की लड़ाई में दारा को हराया।
1809 - नेपोलियन ने बावरिया की लड़ाई में आस्ट्रिया को हराया।
1814 - नेपोलियन को राजगद्दी से हटाया गया।
1865 - अमेरिका के 16 वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन को वाशिंगटन के फार्ड थिएटर में गोली मारी गई। अगले दिन उन्होंने दम तोड़ दिया।
1900 - पेरिस की विश्व प्रर्दशनी खुली।
1912 - ब्रिटेन का आलीशान पोत टाइटैनिक हिमखंड से टकराया।
1958 - सोवियत उपग्रह स्पूतनिक-2 अंतरिक्ष अभियान के 162 दिन बाद नष्ट हुआ।
1981 - पहला अंतरिक्ष यान कोलंबिया-1 वापस धरती पर लौटा।
1988 - सोवियत संघ ने अमेरिका, पाकिस्तान व अफगानिस्तान के साथ जिनेवा में एक समझौते पर हस्ताक्षर कर अफगानिस्तान से अपनी सेना की वापसी पर सहमति जताई।
1995 - इंडिया चौथी बार एशिया कप क्रिकेट का चैंपियन बना।
2000 - रूस की संसद ने संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच स्टार्ट-2 परमाणु शस्त्र कटौती संधि का अनुमोदन किया।
2004 - अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश ने ईराक को दूसरा वियतनाम नहीं बनने देने की घोषणा की।
2005 - भारत और अमेरिका ने अपने-अपने उड़ान क्षेत्र एक-दूसरे की एयरलाइनों के लिए खोलने की घोषणा।
2006 - चीन में प्रथम बौद्ध विश्व सम्मेलन शुरू हुआ।
2008 - भारत के कोलकाता और बांग्लादेश में ढाका के बीच 1965 के बाद पहली बार यात्री रेल सेवा की शुरूआत।

अंबेडकर जयंती: 'लोकतांत्रिक भारत: हमारा कर्तव्य, हमारी जिम्मेवारी'

- डॉ. सत्यवान सौरभ

लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं, एक जीवनशैली है। यह नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता और न्याय का वादा करता है, लेकिन साथ ही उनसे सजगता, जागरूकता और जिम्मेदारी की अपेक्षा भी करता है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, पर क्या हम इसके सबसे जिम्मेदार नागरिक भी हैं? क्या हमने लोकतंत्र को केवल एक वोट देने का औजार मान लिया है या फिर हम इसके गहरे मूल्यों और कर्तव्यों को समझते हैं?

लोकतंत्रः अधिकार नहीं, दायित्व भी

भारतीय संविधान ने हमें कई मौलिक अधिकार दिए हैं-बोलने की आजादी, धर्म की स्वतंत्रता, जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार। पर संविधान ने केवल अधिकार नहीं दिए, कर्तव्यों की भी नींव रखी। 1976 में 42वें संशोधन द्वारा संविधान में 11 मौलिक कर्तव्य जोड़े गए। इनमें राष्ट्र की अखंडता की रक्षा, संविधान का सम्मान, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना जैसे पहलू शामिल हैं। पर विडंबना यह है कि अधिकांश नागरिक अपने अधिकारों को लेकर सजग हैं, लेकिन अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीन। सड़क पर गंदगी देखकर हम सरकार को कोसते हैं, पर खुद कचरा फेंकने से नहीं चूकते। टैक्स चोरी को 'चालाकी' समझते हैं, पर सरकार की नीतियों को 'भ्रष्ट' कहते हैं। यही वह मानसिकता है जो लोकतंत्र को खोखला करती है।

लोकतंत्र में नागरिक की भूमिका

एक स्वस्थ लोकतंत्र तभी संभव है जब उसके नागरिक सक्रिय, जागरूक और नैतिक हों। लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, चुनावों के बीच की जिम्मेदारियों से भी चलता है। नागरिकों को सरकार की नीतियों पर नजर रखनी चाहिए, मीडिया की सच्चाई को परखना चाहिए, और गलत को गलत कहने का साहस दिखाना चाहिए। आज जब सोशल मीडिया सूचनाओं का सबसे तेज माध्यम बन गया है, वहां झूठ और नफरत तेजी से फैल रही है। एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका है कि वह सूचना की सत्यता की जांच करे, नफरत की राजनीति का शिकार न बने और डिजिटल विवेक से कार्य करे।

न्याय, समानता और संवाद की संस्कृति

लोकतंत्र की बुनियाद न्याय और समानता पर टिकी होती है। लेकिन आज भी जाति, धर्म, वर्ग और भाषा के आधार पर भेदभाव जारी है। गांवों में दलितों को मंदिरों में प्रवेश से रोका जाता है, शहरों में मुस्लिमों को मकान नहीं दिया जाता, आदिवासियों की जमीनें छीनी जाती हैं। यह सब लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ है। हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह समाज में समानता और सह-अस्तित्व की संस्कृति को बढ़ावा दे।

मतभेद होना लोकतंत्र का सौंदर्य है, पर मतभेद को मनभेद में बदलना उसकी कमजोरी है। संवाद, सहिष्णुता और सहमति की भावना ही लोकतंत्र को जीवंत रखती है।

सत्ता पर निगरानी और जवाबदेही

लोकतंत्र में सत्ता की असली ताकत जनता के हाथों में होती है। लेकिन अगर जनता ही अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति लापरवाह हो जाए, तो सत्ता बेलगाम हो जाती है। आज हमें नेताओं से सवाल पूछने की जरूरत है-उनके वादों, कार्यों और नीतियों पर। लेकिन क्या हम ऐसा करते हैं? या फिर जाति, धर्म और व्यक्तिगत स्वार्थ के आधार पर उन्हें आंख मूंदकर समर्थन देते हैं? एक लोकतांत्रिक नागरिक को न तो सत्ता से डरना चाहिए, न ही अंधभक्ति में डूबना चाहिए। जवाबदेही, पारदर्शिता और जनसुनवाई की मांग करना हर नागरिक का दायित्व है। लोकतंत्र में शासक नहीं, प्रतिनिधि होते हैं-और प्रतिनिधि को जवाब देना होता है।

सरकारी संस्थाओं और कानून का सम्मान

लोकतंत्र की नींव उसकी संस्थाओं से मजबूत होती है-न्यायपालिका, संसद, चुनाव आयोग, सूचना आयोग, और स्वतंत्र मीडिया। लेकिन जब जनता ही इन संस्थाओं के प्रति सम्मान नहीं रखती, तो उनके निर्णयों का महत्व घटने लगता है। कानून का पालन, न्यायिक फैसलों की गरिमा और चुनावी प्रक्रिया की शुचिता की रक्षा नागरिकों की जिम्मेदारी है। अगर हम खुद ही कानून तोड़ेंगे, रिश्वत देंगे, या कोर्ट के निर्णय को जातिगत चश्मे से देखेंगे, तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा।

सामाजिक भागीदारी और राष्ट्र निर्माण

लोकतंत्र का अर्थ केवल सरकार से अपेक्षा करना नहीं है, बल्कि खुद राष्ट्र निर्माण में योगदान देना भी है। स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों, गांवों में काम करने वाले स्वच्छता कर्मचारियों, पर्यावरण के लिए काम कर रहे युवाओं-ये सभी लोकतंत्र के सच्चे स्तंभ हैं। हर नागरिक के छोटे-छोटे प्रयास, जैसे-वोट देना, स्वच्छता में भागीदारी, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना, या भाषाई सौहार्द बनाना-लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं।

लोकतंत्र की चुनौतियां और हमारी भूमिका

आज लोकतंत्र को कई मोर्चों पर खतरे हैं-ध्रुवीकरण और नफरत की राजनीति, जनता में बढ़ती उदासीनता, सूचना के नाम पर दुष्प्रचार, स्वतंत्र मीडिया और न्यायपालिका पर दबाव। इन खतरों का सामना केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिकों से ही संभव है। जब हर व्यक्ति अपने दायित्व को समझेगा, तब ही लोकतंत्र स्वस्थ रहेगा।

उदाहरणों से सीखें

महात्मा गांधी, बाबा साहेब अंबेडकर, जयप्रकाश नारायण जैसे नेताओं ने लोकतंत्र को केवल राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि नैतिक व्यवहार माना। उन्होंने सिखाया कि लोकतंत्र का अर्थ आत्म-नियंत्रण, परस्पर सम्मान और नागरिक सहभागिता है। आज के दौर में भी अनेक नागरिक चुपचाप बदलाव की मशाल थामे हैं-शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, RTI कार्यकर्ता-जो लोकतंत्र के असली प्रहरी हैं।

समाप्तिः लोकतंत्र को जीवंत रखें

लोकतंत्र एक पौधे की तरह है, जिसे सिर्फ वोट की बारिश नहीं, बल्कि कर्तव्य की खाद और जिम्मेदारी की धूप भी चाहिए। अगर हम चाहते हैं कि भारत एक समावेशी, न्यायपूर्ण और प्रगतिशील राष्ट्र बने, तो हर नागरिक को आत्मनिरीक्षण करना होगा। 'क्या मैं केवल अधिकार चाहता हूं या उसके साथ अपनी जिम्मेदारी भी निभा रहा हूं?'

याद रखिए,

'लोकतंत्र मंदिर है, हम उसके पुजारी;
सच्चा नागरिक वही जो निभाए जिम्मेदारी।'

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail. Com

आंबेडकर सम्मान समारोह के तहत कार्यशाला में योगी ने की शिरकत

वक्फ के नाम पर भड़काई जा रही हिंसा, मुर्शिदाबाद में तीन हिंदुओं की घर से खींचकर की गई हत्या: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश व राज्य में वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीन कब्जा की गई है। उनके पास कागज या राजस्व रिकॉर्ड नहीं है, इसलिए संसद में संशोधन विधेयक पारित हुआ। अब कार्रवाई हो रही है तो हिंसा भड़काई जा रही है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में कल तीन हिंदुओं की घर से खींचकर हत्या की गई। यह सभी दलित, गरीब व वंचित हिंदू हैं, जिन्हें इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है। यह लैंड राजस्व के रिकॉर्ड में फिर से आएगी तो गरीब भी मल्टीस्टोरी बिल्डिंग का लाभ उठा पाएगा। वहां सरकार अच्छे फ्लैट बनाकर उन्हें उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को भागीदारी भवन में आयोजित भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत एक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। योगी ने बांग्लादेश की घटना को लेकर राज्यसभा सांसद, एससी-एसटी आयोग के पूर्व अध्यक्ष व यूपी के पूर्व डीजीपी ब्रजलाल की तीन वर्ष पहले लिखी पुस्तक का जिक्र करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि उनकी इस पुस्तक को अवश्य पढ़ें। यह पुस्तक आजादी के समय के दो दलित महायोद्धाओं की चर्चा करते हुए उनके तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित है। एक तरफ बाबा साहेब ने कहा था कि मेरा आदि और अंत भी भारतीय के रूप में रहेगा। मैं अपनी पहचान इसी रूप में बनाए रखना चाहता हूं। दूसरी तरफ जोगेंद्र नाथ मंडल थे, जिन्होंने पाकिस्तान का समर्थन किया, लेकिन एक वर्ष भी पाकिस्तान में नहीं रह पाए।

उन्होंने कहा कि मंडल के कृत्यों की सजा आज भी बांग्लादेश में हिंदू भुगत रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेश में जिन हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, वह दलित हैं। कांग्रेस, सपा व ममता बनर्जी ने उनके पक्ष में आवाज नहीं उठाई, यह आवाज केवल भाजपा ने उठाई। भाजपा प्रतिबद्ध है कि हमें हर हिंदू की रक्षा करनी है। इसी के लिए सीएए भी बनाया। भारत आने वाले पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्ताान के सिख, हिंदू, जैन, बौद्ध को भारत की नागरिकता देने का काम भाजपा ने किया, लेकिन कांग्रेस और सपा के लोग इसका विरोध कर रहे हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश या दुनिया में कहीं भी पीड़ित हिंदु होगा, वह अंततः हिंदुस्तान में ही शरण लेने को मजबूर होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस व सपा राष्ट्रनायकों के अपमान पर उतारू है। वर्ष 2012 में सपा सरकार बनने पर तत्कालीन मुख्यमंत्री ने कहा था कि सामाजिक न्याय के जितने भी स्थल बनाए गए हैं, उन्हें तोड़वाएंगे और इसमें मैरिज हॉल खुलवाएंगे।

लखनऊ में मान्यवर कांशीराम के नाम पर बने विश्वविद्यालय, सहारनपुर मेडिकल कॉलेज, कन्नौज मेडिकल कॉलेज डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम था, जिसे बदल दिया गया, लेकिन हम लोगों ने घोषणा की कि कन्नौज में यह बाबा साहेब के नाम पर ही होगा। योगी ने कहा कि यह लोग सामाजिक न्याय के प्रतीक महापुरुषों को अपमानित करते रहे हैं। महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज के खिलाफ वक्तव्य देते हैं और औरंगजेब का महिमामंडन करते हैं। तीन वर्ष पहले जब हम लोग प्रदेश में लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन पर रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम से जुड़े थे तो सपा मुखिया भारत के तोड़क जिन्ना का महिमामंडन कर रहे थे। जब भारत के महापुरुष के सम्मान की बात आती है तो यह लोग कोई न कोई प्रोपोगंडा फैलाते हैं, जिससे समाज को बांटने का कार्य किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव के प्रकरण को याद किया और कहा कि चुनाव के समय यह लोग भारत का संविधान लगी फर्जी पुस्तिका प्रिंट कराते हैं और जगह-जगह जाकर जनता के सामने मायाजाल फैलाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान करने वाले लोग कौन थे। 1952 में बाबा साहेब को चुनाव हरवाया गया। 1954 उपचुनाव में बाबा साहेब के निजी सहायक को उनके खिलाफ लड़ाया गया। उस समय पीएम नेहरू ने बाबा साहेब के खिलाफ प्रचार किया और उन्हें परास्त करवाया। अंततः हिंदू महासभा के एक सदस्य ने पुणे की सीट छोड़ी, तब डॉ. आंबेडकर संसद में जा पाए।

कार्यक्रम में भाजपा अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रमापति राम त्रिपाठी, डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण, भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र कन्नौजिया, भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश, समेत योगी सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि व भाजपा के पदाधिकारी मौजूद रहे।

देश तोड़क तत्वों के साथ खड़ी है कांग्रेस और समाजवादी पार्टी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस व सपा देश तोड़क तत्वों के साथ खड़ी रही है। कांग्रेस ने दिल्ली में बाबा साहेब का अंतिम संस्कार तक नहीं होने दिया। उनका स्मारक तक नहीं बनने दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहेब के पंचतीर्थ को विकसित कर उन्हें सम्मान दिया। योगी ने कहा कि लखनऊ में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का इंटरनेशनल सेंटर, स्मारक व सांस्कृतिक केंद्र स्थापित कर रहे हैं। जहां बाबा साहेब के दर्शन पर शोध हो सके। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि बाबा साहेब की पावन जयंती पर इन मुद्दों को लेकर दलित-वंचित बस्ती में जाएं और सही तथ्य रखें।

मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने की नून नदी पुनर्जीवन महाअभियान की शुरूआत

जालौन। बुंदेलखंड में जल संकट को देखते हुए रविवार को नून नदी के पुनर्जीवन के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया गया। सतोह गांव में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की अगुवाई में एक महाअभियान शुरू हुआ, जिसमें हजारों लोगों ने श्रमदान किया और जल संरक्षण का संदेश दिया। इस अभियान के तहत नदी के उद्गम स्थल से काम की शुरुआत की गई, जिसमें मंत्री स्वयं कुदाल और फावड़ा हाथ में लेकर शामिल हुए।

मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि नदी केवल जल का स्रोत नहीं, यह हमारी संस्कृति, परंपरा और भविष्य की धरोहर है। आज का यह अभियान सिर्फ नदी की सफाई नहीं, बल्कि एक नई चेतना का आरंभ है। इस अभियान में प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी भागीदारी दिखायी। माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा और कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने भी श्रमदान किया। इसके साथ ही जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार भी मौके पर उपस्थित हुए और जनता को प्रेरित किया। सतोह गांव में यह आयोजन उत्सव के रूप में बदल गया, जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने अपने हाथों में फावड़ा उठाकर भाग लिया।

हजारों ग्रामीण, महिलाएं और युवक इस अभियान में एकजुट होकर जल संरक्षण के महत्व को समझते हुए सक्रिय रूप से भागीदार बने। इस अवसर पर सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, डीपीआरओ राम अयोध्या प्रसाद गुप्ता, परमार्थ से संजय सिंह, एसडीएम कोंच ज्योति सिंह, बीडीओ कोंच सर्वेश कुमार, बीडीओ नदीगांव मन्नू लाल यादव, बीडीओ महेवा संदीप मिश्रा, बीडीओ कदौरा अरुण कुमार, एडीओ पंचायत देवेंद्र सतोह प्रधान ममता पटेल, प्रधान प्रतिनिधि हरिकिशोर पटेल, अमीठा प्रधान कमलेश कुशवाहा, सतोह ग्राम विकास अधिकारी पूनम राजपूत मौजूद रहे।

भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आठ मई को प्रयागराज में पंचायत होगी: राकेश टिकैत

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेता राकेश टिकैत ने रविवार को कहा कि आठ मई को प्रयागराज में एक कार्यक्रम रखा गया है जिसमें भूमि अधिग्रहण में गड़बड़ियों के खिलाफ पंचायत की जाएगी। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण देश में एक बड़ा मुद्दा है।

इसके नाम पर जमीनें छीनी जा रही हैं। तहसीलों में एक षड्यंत्र के तहत जमीनें एक दूसरे के नाम चढ़ाई जा रही हैं ताकि लोग एक दूसरे से लड़ते रहें। टिकैत ने संवाददाताओं से कहा कि किसी व्यक्ति के पास 20 बीघा जमीन है, लेकिन नाम चढ़ाने में केवल पांच बीघा जमीन उसके हिस्से में आई। किसान जमीन की नपाई के लिए दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं और अधिकारी एवं कर्मचारी खेत की नपाई नहीं कर रहे। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, कोई व्यापारी अगर जमीन की नपाई के लिए आवेदन करता है तो उसकी जमीन की तुरंत नपाई कर दी जाती है। प्रयागराज में भी एक बड़े आंदोलन की जरूरत है। जिले में करछना थाना क्षेत्र के एक गांव में एक दलित व्यक्ति की हत्या कर शव जलाए जाने के प्रयास पर प्रतिक्रिया देते हुए टिकैत ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था विफल है। उन्होंने कहा कि फतेहपुर में तीन लोगों की हत्या के मामले में वह मृतकों के परिजनों से मुलाकात करेंगे।

दलित व्यक्ति की हत्या करके शव जलाया

प्रयागराज। जिले के यमुना नगर के करछना थाना क्षेत्र के इटौरा गांव में शनिवार रात एक दलित व्यक्ति की कथित तौर पर हत्या कर उसका शव जला दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (करछना) वरुण कुमार ने बताया कि रविवार सुबह सूचना मिली कि असौटा गांव में एक बाग में अधजला शव मिला है जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने उसकी पहचान देवी शंकर (35) के रूप में की।

कुमार ने बताया कि मृतक के पिता द्वारा दी गई तहरीर में शंकर की हत्या का आरोप दिलीप सिंह और अन्य पर लगाया गया है। शिकायत में कहा गया कि दिलीप ने शंकर को गेहूं की धुलाई के लिए बुलाया था। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर कुल सात लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इससे पूर्व, पुलिस उपायुक्त (यमुना नगर) विवेक चंद्र यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया था कि शंकर (30) की हत्या कर उसका शव जलाने का प्रयास किया गया। यादव के अनुसार, आरोप है कि शंकर जिस व्यक्ति के घर मजदूरी करने गया था, उसी ने हत्या की।

घर में आग लगने से महिला और उसके दो बच्चों की मौत

बस्ती। बस्ती जिले के हरैया कस्बे में रविवार तड़के एक घर में आग लगने के बाद दम घुटने से एक महिला और उसके दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि घटना हरैया थाना क्षेत्र के सराफा मंडी की है जहां सुनील केसरवानी के तीन मंजिला मकान में अचानक आग लग गई। उसने बताया कि घर के अंदर अचेत अवस्था में मिले सुनील, उनकी पत्नी पूजा (30), उनकी बेटी सौरभी (चार) तथा तीन माह के बेटे बाबा को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि चिकित्सकों ने पूजा और दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया जबकि सुनील को बेहतर उपचार के लिए अयोध्या रेफर किया गया है।

चिकित्सक डॉ. नंदलाल यादव ने बताया कि कमरे में ज्यादा धुआं भरने के कारण दम घुटने से मौत हुई है क्योंकि किसी के शरीर पर झुलसने के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उसने बताया कि आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी।

तालाब में डूबने से दो चचेरे भाइयों की मौत

सोनभद्र। करमा थाना क्षेत्र के बंदरदेवा गांव में तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही करते हुए अंत्य परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस सुत्रों के अनुसार लालू बैगा 7 वर्ष पुत्र महेन्द्र और शुभम बैगा 10 वर्ष पुत्र दिनेश शनिवार शाम घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक दोनों घर नहीं आए। शाम तक घर न आने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू किया लेकिन कहीं पता नहीं चला। सुबह फिर खोजते हुए घर से लगभग 500 मीटर दूर स्थित बरबसपुर तालाब के पास आए तो दोनों का शव उतराया हुआ दिखाई दिया। शव को देखते ही परिजनों के होश उड़ गये दोनों चचेरे भाई बताये जा रहे हैं। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा भर कर पोस्टमार्टम के लिये भेजवाया। परिजन सीताराम ने बताया कि गेहूं की कटाई चल रही थी, बच्चे तालाब में नहाने चले गये। अधिक गहराई में जाने से डूब गये होंगे ।

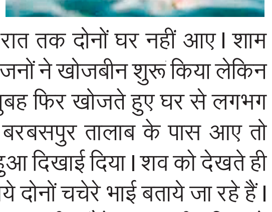

9 करोड़ की लागत से बन रहा है एसटीएफ कार्यालय का 4 मंजिला भवन

अयोध्या। अयोध्या को न केवल धार्मिक, बल्कि प्रशासनिक और सुरक्षा के लिहाज से भी मजबूत करने की दिशा में सरकार तेजी से कदम बढ़ा रही है। इसी कड़ी में अयोध्या धाम के अशर्फी भवन के बगल में गोलाघाट मार्ग पर स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के एक अत्याधुनिक कार्यालय का निर्माण कार्य जोरों पर है।

लगभग 1995.12 वर्ग मीटर क्षेत्र में बन रहे इस चार मंजिला भवन पर करीब 9 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो यह भवन इसी वर्ष सितंबर के अंत तक एसटीएफ को हैंडओवर कर दिया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का दायित्व लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को सौंपा गया है, जो निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने में जुटा है।यह भवन अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अयोध्या नगरी जो अब वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी है, वहां बढ़ती पर्यटक और तीर्थयात्रियों की संख्या के साथ-साथ सुरक्षा चुनौतियां भी बढ़ी हैं।

▶▶ अब तक 80 फीसदी कार्य हो चुका है पूरा, सितंबर तक हैंडओवर करने की तैयारी

ऐसे में एसटीएफ का यह कार्यालय क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, आतंकी गतिविधियों पर नजर रखने और अन्य सुरक्षा संबंधी कार्यों में अहम योगदान देगा। भवन का डिजाइन इस तरह तैयार किया गया है कि यह आधुनिक सुविधाओं से लैस होने के साथ-साथ कार्यक्षमता और पर्यावरण के अनुकूल भी हो।लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता सीडी टू उमेश चन्द्र ने बताया कि भवन का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। वर्तमान में भवन में प्लास्टर का कार्य चल रहा है, भवन के ग्राउंड फ्लोर पर पार्किंग की सुविधा भी की गई है, ताकि कर्मचारियों और आगंतुकों को किसी तरह की असुविधा न हो।

अयोध्या में पहले से ही कई बड़ी परियोजनाएं चल रही हैं, जिनमें राम मंदिर का निर्माण, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, और अन्य पर्यटन संबंधी योजनाएं शामिल हैं। एसटीएफ कार्यालय का निर्माण इन सभी योजनाओं के साथ मिलकर शहर को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। यह भवन न केवल सुरक्षा बलों के लिए एक केंद्र होगा, बल्कि यह स्थानीय प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।आने वाले समय में अयोध्या में बढ़ने वाली गतिविधियों को देखते हुए इस तरह के ढांचागत विकास बेहद जरूरी हैं। योगी सरकार की इस पहल को स्थानीय लोग भी सराह रहे हैं। उनका मानना है कि यह कार्यालय न केवल अपराध पर लगाम लगाएगा, बल्कि शहर में शांति और व्यवस्था बनाए रखने में भी सहायक होगा। एसटीएफ कार्यालय का भवन आधुनिक तकनीकों और सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इसमें हाई-स्पीड इंटरनेट, सीसीटीवी निगरानी, और आपातकालीन स्थिति के लिए विशेष कंट्रोल रूम की व्यवस्था होगी। साथ ही, भवन में ऊर्जा संरक्षण के लिए सोलर पैनल और रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी स्थापित करने की योजना है।

यह भवन पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा कुशल होगा, जो सरकार की हरित नीतियों के अनुरूप है। राम मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या में तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। इसके साथ ही शहर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत महसूस की जा रही है। एसटीएफ कार्यालय के बनने से न केवल स्थानीय पुलिस को सहायता मिलेगी, बल्कि यह केंद्र और राज्य सरकार की सुरक्षा योजनाओं को लागू करने में भी मदद करेगा।

पत्नी के धक्का देने के कारण छत से गिरकर पति की मौत

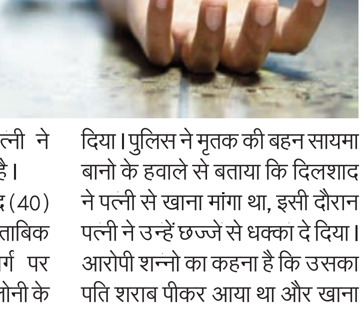

सुलतानपुर। जिले की कांशीराम कॉलोनी में कथित तौर पर पत्नी के धक्का देने से छत से गिरकर पति की मौत हो गयी। पुलिस ने रविवार को बताया कि आरोपी पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार घटना शनिवार रात हुई और और परिवार का आरोप है कि पत्नी ने धक्का देकर उसकी हत्या की है।

मृतक की पहचान दिलशाद (40) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दिलशाद रायबरेली-बांदा मार्ग पर अमहट में स्थित कांशीराम कॉलोनी के ब्लॉक नंबर 67 में पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते थे, घटना के बाद परिजन ने उन्हें तुरंत राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक की बहन सायमा बानो के हवाले से बताया कि दिलशाद ने पत्नी से खाना मांगा था, इसी दौरान पत्नी ने उन्हें छज्जे से धक्का दे दिया। आरोपी शन्नो का कहना है कि उसका पति शराब पीकर आया था और खाना खाने के बाद छत से कूद गया। शन्नो ने कहा कि वह बच्चों के साथ कमरे में थी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी पत्नी को हिरासत में लेकर जांच कर रही है।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ियों ने अयोध्या में किए रामलला के दर्शन

अयोध्या। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ियों ने रविवार को श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पहुंचकर रामलला के दर्शन किए।

इसके बाद हनुमंत लला की पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर में पहुंचकर हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। क्रिकेटर ऋतुराज गायकवाड़ के साथ टीम के अन्य साथियों ने दर्शन-पूजन किया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रशासन ने सभी को दर्शन-पूजन कराया।

गौरतलब है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 30वां मुकाबला सोमवार लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में मेजबान लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाएगा। इस पहले टीम के खिलाड़ियों ने रामलला के दर्शन-पूजन कर जीत की कामना की है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार भाईयों की मौत

बिजनौर। स्योहारा थाना इलाके में शनिवार देर रात को अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटर साइकिल सवार सगे भाईयों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी अमित कुमार ने रविवार को बताया कि गोवर्धनपुर गांव का रहने वाला महेंद्र (40) अपने छोटे भाई भूपेन्द्र (32) के साथ मोटर साइकिल से शनिवार को गांव झुल्लीपुर गये थे। देर रात के दोनों वापस लौट रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दिया। हादसे में दोनों भाईयों की मौत हो गई। टक्कर मारने के बाद ड्राइवर वाहन को लेकर फरार हो गया. पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

मोबाइल टॉवर पर चढ़ गए 3 युवक

भदोही। गाँव में जल निकासी की समस्या से परेशान होकर तीन युवक रविवार सुबह मोबाइल टॉवर पर चढ़ गए। इस घटना के बाद हंगामा मच गया। जल निकासी की समस्या का निदान कराने के आश्वासन पर दोपहर दो बजे किसी तरह तहसीलदार और पुलिस ने नाराज युवकों को टॉवर से नीचे उतारा। तहसीलदार संजय कुमार के जल निकासी के आश्वासन के बाद पुलिस तीनों युवकों को थाना ले आयी।

युवकों को हिरासत में लेकर उनके विरुद्ध सम्बंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए उन्हें जेल भेजेगी। गोपीगंज कोतवाली के बड़ी गिराई गाँव में साल 2018 से जल निकासी की समस्या है। इस समस्या को लेकर साल 2022 के विधानसभा चुनाव में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार भी किया था, छह साल बाद भी इस समस्या का हल नहीं निकल पाया। अपनी मांग को लेकर टॉवर पर चढ़े अभिषेक गुप्ता (19) अंकित गौड़ (19) और मुन्ना मौर्य (45) का दावा है की छह साल बाद चुनाव का बहिष्कार करने के बाद भी जल निकासी नहीं हो पाई, जबकि उस समय तहसीलदार मौके का निरीक्षण करने के बाद आश्वासन दिया था कि आप लोग वोट डालिए जल निकासी व क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत हो जाएगी। पीड़ति युवकों का दावा है कि भदोही जिलाधिकारी को कई बार प्रार्थना पत्र भी दिया गया फिर भी कोई सुनवाई नहीं हुई। घटना स्थल पर मौजूद महिलाओं में अंगुरा, देवी यादव, शीला, शकुंतला, निर्मला, और नगीना ने जिला प्रशासन की व्यवस्था पर आक्रोश जताते हुए कहा गाँव में सन 2018 से ही जलनिकासी नहीं है। वर्तमान की स्थिति यह बन गई है कि गांव की बेटियों की शादी के सपने भी टूट रहे हैं।

अप्रैल में गाँव में कई बेटियों की शादियां हैं ऐसे में बारात कैसे आएगी। महिलाओं का दावा था कि जल जमाव और रास्ते के अभाव में लोग इस गाँव में बेटे-बेटियों का रिश्ता तय नहीं करना चाह रहे। उसी समस्या को जिला पंचयातराज विभाग तक पहुंचाने को लेकर युवक टॉवर पर चढ़ गए। लेकिन उल्टे पुलिस ने उन पर ही मुकदमा लाद दिया। पुलिस मीडिया सेल से दी गई जानकारी में बताया गया है कि मोबाइल टॉवर पर तीनों युवकों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति के लिए मिले 14 करोड़ रुपये

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय को सत्र 2024-25 में उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति हेतु लगभग 14 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। यह राशि गत सत्र 2023-24 की तुलना में लगभग 5 करोड़ रुपये अधिक है, जब विश्वविद्यालय के 6054 विद्यार्थियों को करीब 9.56 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी गई थी। इस वर्ष अब तक 7522 छात्र- छात्राएं छात्रवृत्ति से लाभान्वित हो चुके हैं, जबकि कुछ छात्रों की छात्रवृत्ति प्रक्रियाधीन है। लाभ प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में अनुसूचित जाति के 1457, अल्पसंख्यक वर्ग के 427, अन्य पिछड़ा वर्ग के 3557 तथा सामान्य वर्ग के 2101 छात्र शामिल हैं। इस संदर्भ में डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे ने बताया कि समाज कल्याण विभाग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुए विश्वविद्यालय ने छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया को अधिक सुगम और पारदर्शी बनाया है। इसी के परिणाम स्वरूप इस वर्ष छात्रवृत्ति के रूप में विश्वविद्यालय को अब तक की सर्वाधिक राशि प्राप्त हुई है। साथ ही, राष्ट्रीय छात्रवृत्ति एवं अन्य शैक्षणिक सहायता योजनाओं का लाभ भी विद्यार्थियों तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि छात्रवृत्ति के लाभार्थी विद्यार्थियों की संख्या में हुई वृद्धि अत्यंत संतोषजनक है।

देशभर में दो साल में 10 लाख करोड़ की राजमार्ग परियोजनाएं शुरू करेगी सरकार : नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए अगले दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देंगे, जहां की सड़कें अमेरिका की सड़कों के समान होंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार अगले दो साल में देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाने के लिए काम कर रही है, ताकि यह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के बराबर हो।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा कि हम अगले दो साल में देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। आने वाले दो वर्षों में पूर्वोत्तर के राजमार्ग अमेरिकी सड़कों के बराबर हो जाएंगे।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पूर्वोत्तर के कठिन भूभाग और सीमाओं से निकटता को देखते हुए यहां सड़क बुनियादी

ढांचे को बढ़ाने की तत्काल जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाना है, ताकि यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे के बराबर हो जाए। उन्होंने बताया कि इस दिशा में महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली सहित सभी राज्यों में काम चल रहा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पूर्वी राज्यों में 3,73,484 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 784 राजमार्ग परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी, जिनके तहत 21,355 किलोमीटर सड़क आएंगी।

उन्होंने कहा कि इनमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) की परियोजनाएं शामिल हैं। गडकरी ने बताया कि हमारे पास फिलहाल असम में 57,696 करोड़ रुपये और बिहार में लगभग 90,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं हैं। हम पश्चिम बंगाल में 42,000 करोड़ रुपये से अधिक, झारखंड में लगभग 53,000 करोड़ रुपये और ओडिशा में लगभग 58,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं भी शुरू कर रहे हैं।

> “केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि हम अगले दो साल में देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। आने वाले दो वर्षों में पूर्वोत्तर के राजमार्ग अमेरिकी सड़कों के बराबर हो जाएंगे।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि असम को छोड़कर पूर्वोत्तर में हम इस साल ही करीब एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि नागपुर में 170 करोड़ रुपये की लागत से एक 'मास रैपिड ट्रांसपोर्ट' पायलट परियोजना चल रही है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना में 135 सीटों वाली बस शामिल है जो प्रदूषण नहीं फैलाने वाले ऊर्जा स्रोतों पर चलेगी और इसके अत्यधिक लागत प्रभावी होने की उम्मीद है। अगर यह सफल रही तो इसे बनाओ-चलाओ-स्थानांतरित करो (बीओटी) मॉडल के तहत दिल्ली-जयपुर खंड सहित देशभर के महत्वपूर्ण मार्गों पर दोहराया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो मार्च, 2014 के 91,287 किलोमीटर से बढ़कर वर्तमान में 1,46,204 किलोमीटर हो गया है। इसके अलावा मानदंडों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दो लेन से नीचे के राष्ट्रीय राजमार्गों का अनुपात तेजी से कम हुआ है। कुल नेटवर्क में यह 30 प्रतिशत से घटकर सिर्फ नौ प्रतिशत रह गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में, एनएचएआई ने 5,614 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया, जो इसके 5,150 किलोमीटर के लक्ष्य से अधिक है।

आंध्र प्रदेश ने अमरावती परियोजना शुरू की, प्रधानमंत्री को भूमि पूजन के लिए आमंत्रित किया गया

विजयवाड़ा। कृष्णा नदी के तट पर आंध्र प्रदेश की नई राजधानी तैयार करने के लिए 65,000 करोड़ रुपये की अमरावती शहर परियोजना पर काम शुरू हो गया है। एक बयान में कहा गया कि इस परियोजना का मकसद एक 'लोगों की राजधानी' बनाना है, जो दुनियाभर से कुशल प्रवासियों, उद्योगों, पेशेवरों और व्यवसायों को आकर्षित करे। वर्ष 2019 और 2024 के बीच पांच साल तक ये परियोजना ठंडे बस्ते में रही। हालांकि, राज्य में पिछले साल मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की अगुवाई में नयी सरकार बनने के बाद अमरावती परियोजना को पुनर्जीवित किया गया।

अधिकारियों ने कहा कि एम्स्टर्डम, सिंगापुर और तोक्यो जैसे वैश्विक शहरों से प्रेरित एक विश्वस्तरीय शहरी केंद्र बनाने पर काम फिर से शुरू हो गया है। यह शहर न केवल जीवंत, विविध, समावेशी और आधुनिक होगा, बल्कि दुनियाभर के कुशल प्रवासियों, उद्योगों, व्यवसायों और पेशेवरों को आकर्षित भी करेगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शहर के शिलान्यास समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि प्रधानमंत्री ने निमंत्रण स्वीकार किया है या नहीं और शिलान्यास समारोह कब होगा। वर्ष 2014 में राज्य के विभाजन के बाद अमरावती को आंध्र प्रदेश की नई राजधानी के रूप में नामित किया गया था। ब्रिटेन स्थित कंपनी फोस्टर एंड पार्टनर्स द्वारा तैयार अमरावती मास्टर प्लान में विजयवाड़ा और गुंटूर शहरों के बीच 217.23 वर्ग किलोमीटर में व्यापक विकास की परिकल्पना की गई है। कृष्णा नदी के तट पर बसे इस शहर को क्षेत्र का आर्थिक केंद्र बनाने का लक्ष्य है।

उम्मीद है कि इससे 15 लाख नौकरियां पैदा होंगी, यहां 35 लाख लोग रहेंगे और 2050 तक इसका सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 35 अरब अमेरिकी डॉलर होगा। अधिकारियों ने बताया कि 2024 में अमरावती के विकास कार्यों के लिए अनुमानित बजट लगभग 64,910 करोड़ रुपये था और परियोजना का पहला चरण अगले तीन साल में पूरा किया जाना है। परियोजना लागत में भारत सरकार ने 2024 में 15,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है और विश्व बैंक तथा एशियाई विकास बैंक ने 80 करोड़ अमेरिकी डॉलर (समझौते पर हस्ताक्षर) की सहायता देने की बात कही है।

बीते वित्त वर्ष में हीरो मोटोकॉर्प दोपहिया वाहन बाजार में शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में अपना शीर्ष स्थान बनाए रखा है। कंपनी ने इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ने के बावजूद इस दौरान 54 लाख से अधिक गाड़ियों की बिक्री की है। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) के हालिया आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) 47,89,283 वाहनों की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर रही।

फाडा के अनुसार, हीरो मोटोकॉर्प ने पिछले वित्त वर्ष में कुल 54,45,251 वाहन बेचे, और उसकी बाजार हिस्सेदारी 28.84 प्रतिशत रही। वहीं, जापानी दोपहिया वाहन विनिर्माता एचएमएसआई की बाजार हिस्सेदारी 25.37 प्रतिशत रही। टीवीएस मोटर कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में 33,01,781 गाड़ियों की बिक्री के साथ तीसरा स्थान हासिल किया, जिससे उसकी बाजार हिस्सेदारी 17.49 प्रतिशत रही। कुल मिलाकर, दोपहिया वाहनों का पंजीकरण 2023-24 में 1,75,27,115 इकाइयों की तुलना में आठ प्रतिशत बढ़कर 1,88,77,812 इकाई हो गया। यात्री वाहन खंड में, मारुति सुजुकी इंडिया 16,71,559 इकाइयों की खुदरा बिक्री के साथ सबसे आगे बनी रही। उसने 40.25 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी दर्ज की। मारुति सुजुकी इंडिया ने वित्त वर्ष 2023-24 में 16,08,041 इकाइयां बेचकर 40.6 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी हासिल की थी। इसके बाद हुंदै मोटर इंडिया का स्थान रहा, जिसकी खुदरा बिक्री 5,59,149 इकाई रही। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 13.46 प्रतिशत रही, जबकि 2023-24 में यह 14.21 प्रतिशत थी। टाटा मोटर्स इंडिया ने पिछले साल 5,35,960 गाड़ियां बेचीं, जिससे उसकी बाजार हिस्सेदारी 12.9 प्रतिशत रही। वित्त वर्ष 2023-24 में इसने 5,39,567 इकाइयां बेचीं, जिससे उसकी बाजार हिस्सेदारी 13.62 प्रतिशत रही थी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने पिछले वित्त वर्ष में 5,12,626 इकाइयां बेचीं, जिससे उसकी बाजार हिस्सेदारी 12.34 प्रतिशत रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने वित्त वर्ष 2023-24 में 4,27,390 इकाइयां बेची थीं, और उसकी बाजार हिस्सेदारी 10.79 प्रतिशत रही थी। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले वित्त वर्ष में पांच प्रतिशत की वृद्धि के साथ 41,53,432 इकाई हो गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 39,60,602 इकाई थी। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में कुल वाहन खुदरा बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 2,61,43,943 इकाई हो गई, जिसमें यात्री वाहन और दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन शहरी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर रहा।

सेंसेक्स की शीर्ष दस में से पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 84,559 करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 84,559.01 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में हिंदुस्तान यूनिलीवर रही। पिछले सप्ताह बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में 207.43 अंक या 0.27 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 75.9 अंक या 0.33 प्रतिशत के नुकसान में रहा। 'श्री महावीर जयंती' के अवसर पर बृहस्पतिवार को भारतीय शेयर बाजार बंद रहे थे।

समीक्षाधीन सप्ताह में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस और आईटीसी का बाजार पूंजीकरण बढ़ गया, वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इन्फोसिस के मूल्यांकन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 28,700.26 करोड़ रुपये बढ़कर 5,56,054.27 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सप्ताह के दौरान 19,757.27 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण 16,50,002.23 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 15,329.79 करोड़ रुपये बढ़कर 5,27,845.57 करोड़ रुपये पर और बजाज फाइनेंस की 12,760.23 करोड़ रुपये बढ़कर 5,53,348.28 करोड़ रुपये हो गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 8,011.46 करोड़ रुपये बढ़कर 10,02,030.97 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के उलट टीसीएस का मूल्यांकन 24,295.46 करोड़ रुपये घटकर 11,69,474.43 करोड़ रुपये रह गया। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 17,319.11 करोड़ रुपये घटकर 5,85,859.34 करोड़ रुपये पर आ गया।

भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 12,271.36 करोड़ रुपये घटकर 6,72,960.97 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक का 8,913.09 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 9,34,351.86 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 7,958.31 करोड़ रुपये घटकर 13,82,450.37 करोड़ रुपये रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस और आईटीसी का स्थान रहा।

एफपीआई ने अप्रैल में अबतक भारतीय शेयरों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा भारत सहित दुनिया के तमाम देशों पर लगाए गए शुल्क की चिंता के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अबतक भारतीय शेयर बाजारों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले 21 मार्च से 28 मार्च तक छह कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस निवेश से मार्च में एफपीआई की कुल कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रही है। पिछले महीनों की तुलना में यह स्थिति में उल्लेखनीय सुधार है।

फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे, जबकि जनवरी में यह निकासी और भी अधिक यानी 78,027 करोड़ रुपये थी। निवेशक भावना में यह बदलाव वैश्विक वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव और बदलती परिस्थितियों को दर्शाता है। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसके साथ ही, 2025 में अबतक एफपीआई की कुल निकासी 1.48 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट के मुख्य निवेश

रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में उथल-पुथल भारत में एफपीआई निवेश को भी प्रभावित कर रही है। उनका मानना है कि मौजूदा उथल-पुथल थमने के बाद ही एफपीआई की रणनीति अधिक स्पष्ट हो पाएगी। उन्होंने कहा कि मध्यम अवधि में एफपीआई भारत में खरीदार बन सकते हैं, क्योंकि अमेरिका और चीन दोनों ही मौजूदा व्यापार युद्ध के चलते अपरिहार्य सुस्ती की ओर बढ़ रहे हैं। प्रतिकूल वैश्विक परिदृश्य में भी भारत वित्त वर्ष 2025-26 में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है।

बाजार में उथल-पुथल के शांत होने के बाद भारत में एफपीआई निवेश बढ़ेगा। समीक्षाधीन अवधि में शेयरों के अलावा एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड से सामान्य सीमा के तहत 4,077 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 6,633 करोड़ रुपये निकाले हैं।

संक्षिप्त खबरें

बैंकों ने अवैध लेनदेन के मामलों में खातों को जब्त करने का अधिकार मांगा

नई दिल्ली। फर्जी खातों के जरिये साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए बैंकों ने अवैध लेनदेन में शामिल खातों को जब्त करने का अधिकार मांगा है। उनका कहना है कि अधिकारियों से अनुमति लेने में कीमती समय बर्बाद किए बिना तेजी से कदम उठाने के लिए ऐसा जरूरी है। बैंक आंतरिक कारणों के आधार पर खातों को जब्त करते हैं। हालांकि, धन शोधन रोधक अधिनियम के अनुसार उनके पास अदालत या कानून प्रवर्तन एजेंसियों से मंजूरी लिए बिना ग्राहक खातों को जब्त करने का अधिकार नहीं है। भारतीय बैंक संघ के एक कार्यसमूह ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इसके मद्देनजर, हम भारतीय रिजर्व बैंक को सुझाव दे सकते हैं कि वह आगे इस पर विचार करे। धोखेबाज बैंकिंग प्रणाली के जरिये अवैध रूप से धन की हेराफेरी करने के लिए फर्जी खातों का उपयोग करते हैं। बैंक हर साल ऐसे हजारों खातों को जब्त करते हैं, लेकिन धोखेबाज प्रणाली में खामियों का फायदा उठाकर जल्दी से नए खाते बना लेते हैं। बैंकों ने स्थायी खाता संख्या या पैन की अनुपस्थिति में मतदाता पहचान पत्र और फॉर्म 60 का उपयोग करके खाते खोलने वाले व्यक्तियों को सत्यापित करने के लिए चुनाव आयोग के आंकड़ों का उपयोग करने और ऐसे खातों पर लेनदेन की संख्या को सीमित करने का प्रस्ताव दिया है।

कोहली ने 'स्पोर्ट्सवियर' ब्रांड एजिलिटास में निवेश किया

नई दिल्ली। क्रिकेटर विराट कोहली ने 'स्पोर्ट्सवियर' बनाने वाली घरेलू कंपनी एजिलिटास में निवेश किया है और वह इसके सह-निर्माता बन गए हैं। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी शीर्ष भारतीय क्रिकेटर की लोकप्रियता का लाभ लेकर वैश्विक स्तर पर विस्तार की योजना बना रही है। कोहली ने हाल ही में प्यूमा के साथ अपने ब्रांड एम्बैसडर के रूप में आठ साल का रिश्ता पूरा किया है। सूत्रों ने बताया कि कोहली ने अगले आठ साल के लिए अनुबंध को नवीनीकृत करने के लिए प्यूमा की 300 करोड़ रुपये की पेशकश को अस्वीकार कर दिया है। इसकी जगह उन्होंने एजिलिटास में निवेश करने और फर्म में हिस्सेदारी रखने का फैसला किया। इस कंपनी को प्यूमा इंडिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के पूर्व प्रबंध निदेशक अभिषेक गांगुली का समर्थन प्राप्त है।

एनडीडीबी ने दूध उत्पादन में तेजी लाने के लिए मप्र दुग्ध संघ के साथ समझौता किया

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में रविवार को यहां रविंद्र भवन में जारी राज्य सहकारिता सम्मेलन में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और मध्यप्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध संघ (एमपीसीडीएफ) के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसका लक्ष्य प्रदेश में दूध का उत्पादन और प्रसंस्करण बढ़ाना है। इस राज्यस्तरीय सहकारी सम्मेलन का आयोजन अंतरराष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 के तहत किया गया है।

आयात पर निर्भरता घटाएं, हरित निर्माण और मॉड्यूलर अवसंरचना पर ध्यान दें उद्योग : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को निर्माण उद्योग से आयात पर निर्भरता कम करने, स्वच्छ एवं हरित निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने तथा भूकंपरोधी एवं मॉड्यूलर अवसंरचना की दिशा में काम करने को कहा। मॉड्यूलर अवसंरचना से आशय एक ऐसे ढांचे से है जहां व्यक्तिगत कलपुर्जों और आसानी से जोड़ा और संयोजित किया जा सकता है, जिससे बड़ी प्रणालियां बनाई जा सकती हैं।

मंत्री पीयूष गोयल ने नयी दिल्ली में रसायन एवं संबद्ध उत्पाद निर्यात संवर्धन परिषद (कैपेक्सिल) के 'वाइब्रेंट बिल्डकॉन-2025' के पहले संस्करण के उद्घाटन के दौरान कहा कि आवास, बुनियादी ढांचा, वाणिज्यिक अचल संपत्ति, रेलवे, हवाई अड्डे, राजमार्ग और ऊर्जा जैसे क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सीमेंट और इलेक्ट्रिकल्स से लेकर सुरक्षा

प्रणालियों और स्वचालन तक हर तत्व इस पारिस्थितिकी तंत्र में एक भूमिका निभाता है। मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 20 नए स्मार्ट औद्योगिक शहरों, 50 गंतव्यों में बेहतर पर्यटन बुनियादी ढांचे और 100 नए औद्योगिक 'प्लग-एंड-प्ले' (उपयोग के लिए तैयार) केंद्रों सहित सरकार की पहल से भारत को आज 4,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था से 2047 तक 30-35 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में मदद मिलेगी।

पाम-पामोलीन में गिरावट, बाकी तेल-तिलहनों में सुधार

नई दिल्ली। बीते सप्ताह ऊंचे दाम पर लिवाली प्रभावित रहने से कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। वहीं मंडियों में किसानों की ओर से आवक कम लाने के कारण सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन तथा बिनौला तेल के भाव सुधार के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि अप्रैल में इस समय आमतौर पर सरसों, सोयाबीन आदि तिलहनों की जिस मात्रा में आवक होती थी वह इस बार नहीं देखी जा रही है जो अप्रत्याशित है। सरसों की कई राज्यों में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरकारी खरीद हो रही है लेकिन जो किसान इस मौसम के दौरान सामान्य रूप से 10-12 लाख बोरी सरसों मंडियों में लाया करते थे वह आवक इस बार महज 5-5.25 लाख बोरी ही रह गई है।

इसके अलावा बीते सप्ताह चीन से सरसों डीओसी की मांग हुई है और 52,000 टन सरसों डीओसी का सौदा भी हुआ है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा सोयाबीन की आवक भी कम है और 1-1.25 लाख बोरी की ही आवक हो रही है। मूंगफली पहले ही एमएसपी से लगभग 15 प्रतिशत नीचे बिक रही है और अधिक नीचे दाम पर बिकवाली से बचने के लिए किसान मंडियों में आवक कम ला रहे हैं। बीते सप्ताह में सरसों, मूंगफली और सोयाबीन तेल-तिलहन में सुधार का यह प्रमुख कारण है। सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्र में सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ रही है जिससे सोयाबीन का हाजिर दाम भी सुधरता जा रहा है और एमएसपी के नजदीक होने लगा है। मौजूदा स्थिति बनी रही तो सोयाबीन का दाम एमएसपी के आसपास पहुंच सकता है। मौजूदा समय में सरकार को विशेष रूप से मूंगफली और सोयाबीन की ओर ध्यान देना होगा और किसानों को उचित दाम दिलाने के हरसंभव प्रयास करने होंगे ताकि उनके बीच कोई निराशा न रह जाये और इन फसलों की खेती आगे प्रभावित न हो। इस वजह से सरसों, मूंगफली और सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम में बीते सप्ताह सुधार देखने को मिला। सूत्रों ने कहा कि इससे पिछले सप्ताह में जिस कच्चे पामतेल (सीपीओ) का दाम 1,160-1,165 डॉलर प्रति टन था, वह समीक्षाधीन सप्ताह में घटकर 1,125-1,130 डॉलर प्रति टन रह गया है।

सीपीओ का सोयाबीन तेल के दाम से अंतर घटा है मगर मौजूदा दाम अब भी अधिक है। जब तक सीपीओ के दाम सोयाबीन से पर्याप्त कम नहीं होंगे इसकी लिवाली कठिन बनी रहेगी। अब सरकार को यह देखना होगा कि मौजूदा खुदरा दाम के हिसाब से तो किसानों को एमएसपी से भी कुछ अधिक कीमत मिलनी चाहिये थी, लेकिन मूंगफली के किसान हताश हैं जिसका कोई विकल्प नहीं है। मूंगफली की पहले आंध्र प्रदेश, कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों के अलावा पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर पर्याप्त खेती होती थी जहां बाजार की अस्थिरता के कारण किसान मूंगफली छोड़कर अन्य लाभकारी फसलों की ओर चले गये। आगे ऐसी स्थिति न हो इस हिसाब से नीतियां तय करनी होंगी क्योंकि आबादी बढ़ने के साथ खाद्य तेलों की मांग निरंतर बढ़ रही है और इस लिहाज से तेल-तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना बेहद महत्वपूर्ण हो चला है।

खाद्य तेलों के आयात के लिए काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करनी होती है और इससे बचने के लिए आत्मनिर्भरता बहुत आवश्यक है। मौजूदा समय में पामोलीन तेल से महंगा दाम सूरजमुखी का है जो 1,220-1,225 डॉलर के आसपास है। यह दाम पामोलीन से लगभग 90 डॉलर अधिक है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 175 रुपये के सुधार के साथ 6,375-6,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 350 रुपये के सुधार के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये सुधरकर क्रमशः 2,380-2,480 रुपये और 2,380-2,505 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 225-225 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 4,625-4,675 रुपये और 4,325-4,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 300 रुपये, 250 रुपये और 175 रुपये मजबूत होकर क्रमशः 13,700 रुपये, 13,400 रुपये और 9,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपये के सुधार के साथ 5,750-6,125 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 50 रुपये और 15 रुपये सुधरकर क्रमशः 14,250 रुपये और 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। दूसरी ओर, कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,050 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सुधार के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 200 रुपये मजबूत होकर 13,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

अप्रैल-फरवरी में भारत का कोयला आयात मामूली घटकर 24.07 करोड़ टन पर पहुंचा

नई दिल्ली। बीते वित्त वर्ष के पहले 11 माह (अप्रैल-फरवरी) के दौरान देश का कोयला आयात मामूली 1.4 प्रतिशत घटकर 24.07 करोड़ टन रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में देश ने 24.42 करोड़ टन का कोयला आयात किया था। समीक्षाधीन अवधि में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 15.23 करोड़ टन रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि के 16.06 करोड़ टन से कम है। अप्रैल-फरवरी, 2024-25 के दौरान कोकिंग कोयले का आयात 4.97 करोड़ टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 5.19 करोड़ टन से कम है।

'एमजंक्शन सर्विसेज' द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में कोयले का आयात भी पिछले साल के समान महीने के 2.16 करोड़ टन से घटकर 1.81 करोड़ टन रह गया है। माह-दर-माह आधार पर, फरवरी, 2025 में कोयले का आयात जनवरी, 2025 के 2.14 करोड़ टन के मुकाबले 15.3 प्रतिशत कम रहा है। फरवरी, 2025 में कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 1.11 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 1.38 करोड़ टन था। फरवरी, 2024 के 46 लाख टन के मुकाबले कोकिंग कोयले का आयात 38 लाख

टन रहा। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक और सीईओ विनय वर्मा ने कहा कि आयात की मात्रा में गिरावट आई है, जो बाजार की उम्मीदों के अनुरूप है। प्रणाली में ऊंचे भंडार ने आयातित सामग्रियों की मांग को कम कर दिया है। हमें उम्मीद है कि गर्मियों की शुरुआत के साथ बिजली की मांग बढ़ने तक यह प्रवृत्ति जारी रहेगी।

वित्त वर्ष 2024-2025 की अप्रैल-फरवरी अवधि में देश का कुल कोयला उत्पादन 2023-24 की समान अवधि के 87.85 करोड़ टन से बढ़कर 92.89 करोड़ टन हो गया है। कोयला मंत्रालय ने कहा है कि यह मजबूत प्रदर्शन ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह सुनिश्चित करता है कि देश बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम है। सरकार आने वाले महीनों में इस सकारात्मक गति को बनाए रखते हुए बुनियादी ढांचे के विकास और परिचालन दक्षता को आगे बढ़ा रही है।

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने लोगों में बढ़ती उदासी के बारे में की बात

मुंबई। एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपने ताजा पोस्ट के माध्यम से लोगों में बढ़ती उदासी को दर्शाते हुए समाज को आईना दिखाया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, "पिछले कुछ महीनों से, मैं एक नई मां के रूप में अपने जीवन का अनुभव करते हुए, लगभग एक गवाह के रूप में, किसी चीज से जूझ रही हूं३ और उसके साथ ही समुद्र की लहरों की तरह आने वाली भावनाएं। उच्च ज्वार (हाई टाइड) और निम्न ज्वार (लो टाइड)। 'फुकरे' की एक्ट्रेस ने आगे कहा, "मैं चाहे किसी से भी बात करूं, चाहे वे भारत में रहते हों या नहीं, चाहे वे युवा हों या बूढ़े, चाहे वे किसी भी लिंग के हों, चाहे वे नास्तिक हों या ईश्वर-भक्त, चाहे वे कलाकार हों या सामान्य – एक अकथनीय उदासी है। आसन्न और आसन्न विनाश की भावना, एक प्रकार की सुन्न निराशा, जो संघर्ष से पैदा होती है।" एआई के बढ़ते प्रभाव के बारे में बोलते हुए, उन्होंने आगे कहा, "आर्थिक अनिश्चितता मदद नहीं करती है। एक भावना है कि या तो वे इस तेजी से बदलती दुनिया में प्रासंगिकता खो देंगे या उनकी नौकरी अप्रचलित हो सकती है। एआई के सामने यह एक बहुत ही वास्तविक डर है। मैं समझती हूं।" युवाओं में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के तेजी से बढ़ने के बारे में बात करते हुए, ऋचा ने लिखा, "भविष्य को लेकर चिंता व्याप्त है, चाहे आप इसे किसी भी नजरिए से देखें। शायद महामारी ने हमें और हमारे आस-पास के माहौल को उससे कहीं ज़्यादा बदल दिया है, जितना हम खुद को स्वीकार कर सकते हैं। जहां तक स्वास्थ्य का सवाल है, अराजकता भी है। जबकि कई लोग इस वास्तविकता को स्वीकार कर रहे हैं कि प्रकृति ही धन का स्रोत है और विकास हमारे आवास की कीमत पर नहीं हो सकता, अधिकांश लोग इस बात से चिंतित हैं कि युवा भी मर रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा, "कुछ बदल गया है। कुछ गड़बड़ है। शायद जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसके बारे में जो कुछ भी बताया गया है, वह झूठ है। शायद हमें 'सच्चे मानव स्वभाव' के बारे में जो कुछ भी नहीं बताया गया है, वह एक पागल, दुखी आदमी की कल्पना के अलावा और कुछ नहीं है।" ऋचा ने निष्कर्ष निकाला, "लोग खुश नहीं हैं। और हम निश्चित रूप से वर्तमान में दुनिया के सबसे कम खुशहाल देशों में से एक हैं।" अंत में, उन्होंने एक ऐसा सवाल पूछा जो निश्चित रूप से आपको सोचने पर मजबूर कर देगा – "क्या गलत हुआ?"

मनीषा कोइराला ने अपनी मां के साथ मनाया 'जिंदगी का जश्न'

मुंबई। कैंसर से जंग जीत चुकी बॉलीवुड एक्ट्रेस मनीषा कोइराला अपनी मां के साथ मिलकर जीवन और स्वास्थ्य का जश्न मना रही हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी मां के साथ बिताए खास पलों की तस्वीर शेयर की, जिसमें उन्होंने परिवार की मजबूती और ताकत को दर्शाया है। मनीषा ने बताया कि अपनी स्वास्थ्य जांच में पूरी तरह स्वस्थ पाए जाने के बाद उन्होंने अपनी मां के साथ यह खुशी मनाई। इस मौके पर मां-बेटी की जोड़ी ने डोसे का लुत्फ उठाया। अभिनेत्री ने रविवार को इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। कैप्शन में उन्होंने लिखा, "स्वास्थ्य और उपचार का जश्न मना रही हूं। आज कुंडलिनी डायग्नोस्टिक्स के बाद मां और मैंने मर्क्योर में कुछ बहुत ही स्वादिष्ट डोसा खाया। एक बुद्धिमान व्यक्ति ने मुझसे कहा था कि 'जब भी आपको चेक-अप से क्लीन चिट मिले, तो हमेशा जश्न मनाएं।' तो हम यहां हैं और खुशी और हर पल का आनंद ले रहे हैं।" मनीषा ने पोस्ट शेयर करते हुए कुछ हैशटैग का भी इस्तेमाल किया, जिसमें मां-बेटी के प्यार, खुशी, डोसा लव जैसे शब्दों का जिक्र किया। 2012 में मनीषा कोइराला को स्टेज 4 के ओवेरियन कैंसर का पता चला था। उन्होंने न्यूयॉर्क में सर्जरी और कीमोथेरेपी सहित व्यापक उपचार कराया और 2013 तक पूरी तरह ठीक हो गईं। इसके बाद वे कैंसर से बचे लोगों की मुखर समर्थक बन गईं और वे अपनी यात्रा का इस्तेमाल जागरूकता बढ़ाने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए करती हैं। मनीषा के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 1989 में आई नेपाली फिल्म "फेरी भेटौला" से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 1991 में आई हिंदी फिल्म "सौदागर" से उनका बॉलीवुड डेब्यू हुआ था। 54 वर्षीय अभिनेत्री ने 'बॉम्बे', 'अग्नि साक्षी', 'इंडियन', 'गुप्तः द हिडन ट्रुथ', 'कच्चे धागे', 'मुधलवन', 'कंपनी', '1942: ए लव स्टोरी', 'खामोशीः द म्यूजिकल', 'दिल से' और 'लज्जा' जैसी फिल्मों में काम किया। 2024 में वह संजय लीला भंसाली की पीरियड ड्रामा सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' में दिखाई दी थीं। उनके किरदार और अदाकारी को काफी सराहना मिली थी।

प्रतीक गांधी ने फिल्म 'फुले' की रिलीज डेट टाले जाने पर जताई नाराजगी

प्रतीक गांधी की आगामी फिल्म 'फुले' इन दिनों चर्चा में है। यह फिल्म समाज सुधारकों महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन और उनके महत्वपूर्ण कार्यों पर आधारित है। पहले यह फिल्म 11 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे दो सप्ताह के लिए टाल दिया गया है। दरअसल, फिल्म के ट्रेलर में दिखाए गए एक सीन को लेकर ब्राह्मण समुदाय ने आपत्ति जताई है, जिसके चलते यह निर्णय लिया गया। इस विवाद पर अभिनेता प्रतीक गांधी ने कहा कि फिल्म का मकसद किसी भी समुदाय की भावनाओं को आहत करना नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सिर्फ एक सच्ची और प्रेरणादायक कहानी को लोगों तक पहुंचाना है। फिल्म 'फुले' के ट्रेलर को लेकर मचे विवाद के बीच अभिनेता प्रतीक गांधी ने कहा, ३मैं उस वक्त एक शूटिंग लोकेशन पर था, जब मुझे खबर मिली कि फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ, क्योंकि 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले की 179वीं जयंती होने से हमारे लिए बेहद खास तारीख थी। अगर फिल्म उसी दिन रिलीज होती, तो वह पल ऐतिहासिक बन जाता, लेकिन कोई बात नहीं... जो भी होता है, शायद अच्छे के लिए ही होता है। प्रतीक गांधी ने यह भी साफ किया कि फिल्म का मकसद सिर्फ फुले दंपति के महान कार्यों को दर्शाना है और इसका किसी की भावनाएं आहत करने का इरादा नहीं है। उन्होंने आगे कहा, निर्माताओं से फिल्म में कुछ बदलाव करने के लिए कहा गया है।

गर्मी में पंखे और कूलर बांटने के लिए तापसी पन्नू ने हेमकुंट फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू ने भीषण गर्मी से जूझ रहे वंचित परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से हेमकुंट फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया। हेमकुंट फाउंडेशन ने जरूरतमंद लोगों को पंखे और वाटर कूलर बांटे।इस पहल का उद्देश्य झुग्गी-झोपड़ियों और कम आय वाले इलाकों पर ध्यान केंद्रित करना था, जहां लोगों को बुनियादी कूलिंग उपकरणों की कमी के कारण चिलचिलाती गर्मी से निपटने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। तापसी पन्नू ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, हम अक्सर पंखे या कूलर जैसी बुनियादी सुविधाओं को हल्के में ले लेते हैं, लेकिन बहुत से लोगों के लिए, खासकर इस असहनीय गर्मी में, हल्की हवा भी आशीर्वाद की तरह महसूस होती है। इस पहल का हिस्सा बनकर मैं बहुत प्रभावित हुई। यह केवल देने के बारे में नहीं है।यह लोगों के साथ खड़े होने, उनके दर्द को समझने और उन्हें कम करने के लिए जो कुछ भी हम कर सकते हैं, करने के बारे में है। हेमकुंट फाउंडेशन के निदेशक हरतीरथ सिंह ने कहा, जब तापमान 40 डिग्री को पार कर जाता है, तो झुग्गी-झोपड़ियों में रहना लगभग असंभव हो जाता है, जहाँ बमुश्किल कोई वेंटिलेशन या छाया होती है। लोग बिना पंखे या कूलर के चुपचाप कष्ट सहते हैं, जिससे दिन भर उनका गुजारा हो सके। इसी बात ने हमें यह पहल शुरू करने के लिए प्रेरित किया। फाउंडेशन आने वाले हफ्तों में गर्मी से प्रभावित क्षेत्रों में इसी तरह के अभियान जारी रखने की योजना बना रहा है।

झुर्रियां दूर भगाएंगे ये आसान उपाय

- फेशियल एक प्रकार की फेस एक्सरसाइज है, जो मृत त्वचा को रिमूव करके त्वचा को चमकदार बनाती है। इससे रक्तसंचार बढ़ता है और त्वचा के अंदर की गंदगी बाहर निकल जाती है। एक्ने, मुंहासे और ब्लैकहेड्स जैसी समस्याओं से बचने के लिए फेशियल एक कारगर उपाय है। इससे चेहरे पर झुर्रियां देर से आती हैं।
- अगर आपकी त्वचा उम्र की वजह से बेजान-सी दिख रही है, तो आप उचित फेशियल से अपनी त्वचा को सुंदर बना सकते हैं। कोलाजन एक संरचनात्मक प्रोटीन है, जो त्वचा के लचीलेपन को बनाए रखता है, लेकिन जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, कोलाजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे स्किन सैगी नजर आने लगती है।
- ऐसे में बढ़ती उम्र को थामने के लिए यह फेशियल एक कामयाब ट्रीटमेंट है। इन तीन आर का मकसद स्किन को रीहाइड्रेट, रीजेनेरेट और रीजुवनेट करना होता है। इस फेशियल में शामिल प्रोडक्ट्स त्वचा के भीतर कोलाजन बनने की प्रक्रिया को बढ़ाता है, जो त्वचा को एजिंग की समस्या से बचाता है।
- इसके अलावा इससे एक्सफॉलिएशन और नए सेल्स बनने की प्रक्रिया तेज होती है, जिससे त्वचा सुंदर दिखने लगती है। इस ट्रीटमेंट में माइक्रो मसाजर या फिर अपलिफ्टिंग मशीन द्वारा फेस को लिफ्ट किया जाता है। जिससे सैगी स्किन अपलिफ्ट हो जाती है और उसमें कसाव आ जाता है।
- अंत में एक खास प्रकार का मास्क लगाया जाता है, जिसे हम यंग स्किन मास्क कहते हैं। इस मास्क के अंदर 95 प्रतिशत कोलाजन होता है। इस मास्क को लगाने से त्वचा को आवश्यक खुराक मिलती है। साथ ही त्वचा रीहाइड्रेट भी होती है।
- फोटो फेशियल तकरीबन 60 मिनट की प्रक्रिया है, जिसकी शुरुआत हर फेशियल की तरह चेहरे की साफ-सफाई से ही होती है। इस पूरी प्रक्रिया को प्रशिक्षित डॉक्टर द्वारा पूरा किया जाता हैं। इसमें आई.पी.एल. यानी इंटेन्स पल्सड लाइट मशीन का प्रयोग कर त्वचा के भीतर जिनोन लाइट को छोड़ा जाता है, जो त्वचा की दूसरी लेयर में जाकर कोलाजन बनने की प्रक्रिया को बढ़ाती है।
- इस उपचार से कोलाजन का बनना 50 प्रतिशत बढ़ जाता है, जिससे बढ़ती उम्र के निशान जैसे फाइन लाइन्स, झुर्रियां कम होती हैं और त्वचा का ढीलापन दूर होकर उसमें कसाव आता है। इसके अलावा त्वचा में भूरे धब्बे बनाने वाले मेलेनिन का बनना भी कम होता है और त्वचा में मौजूद पोषण देने वाले तत्व बढ़ते हैं, जो आपकी त्वचा को बेहतर बनाते हैं।
- इस फेशियल के अंत में यंग स्किन मास्क लगाया जाता है। यह आपकी स्किन को ऊर्जा प्रदान करता है, जिससे डैमेज सेल्स रिपेयर हो जाते हैं और स्किन स्वस्थ नजर आती है। यह टेक्नोलॉजी झुर्रियां हटाने के अलावा पिग्मेंटेशन के निशान भी ठीक करती है और एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करती है।

कहीं कहर न बरपा दे डेंगू

दिल्ली में इस बार भी डेंगू के कारण मौत के मामले दर्ज हो चुके हैं और इसका कहर बढ़ता जा रहा है। शुरुआती तौर पर यह एक मामूली-सा बुखार लगता है, पर यदि सही ढंग से इलाज न किया जाए तो जानलेवा भी साबित हो सकता है, इसलिए आप भी समय पर हो जाएं सावधान।

क्या होता है डेंगू:-

डेंगू वायरस जनित बीमारी है, जो मादा एडीज मच्छर के काटने से होती है। डेंगू का मच्छर गंदे पानी की बजाय साफ पानी में पनपता है। इन मच्छरों के शरीर पर चीते जैसी धारियां होती हैं और यह दिन के समय, खासकर सुबह-सवेरे काटते हैं। हर वर्ष डेंगू बरसात के मौसम और उसके फौरन बाद के महीनों यानी अगस्त से नवंबर में सबसे ज्यादा फैलता है, क्योंकि इस मौसम में मच्छरों को पनपने के लिए अनुकूल नमी और तापमान मिल जाता है। लेकिन इस बार डेंगू का कहर देर से शुरू हुआ है।

कब दिखती है बीमारी:-

मच्छर के काटने के करीब 3 से 5 दिनों के बाद मरीज में डेंगू बुखार के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। शरीर में बीमारी पनपने की मियाद 3 से 10 दिनों की भी हो सकती है।

तरह-तरह के डेंगू:-

डेंगू के एक-दूसरे से जुड़े हुए चार प्रकार होते हैं। एक बार एक तरह का डेंगू होने से उसके लिए शरीर में प्रतिरोधी क्षमता विकसित हो जाती है, लेकिन दूसरे तरह के डेंगू से बचने की संभावना कम और अस्थाई होती है।

बुखार को हल्के में न लें:-

इस मौसम के किसी भी तरह के बुखार को हलके में न लें, खासकर अगर बुखार के साथ-साथ जोड़ों में तेज दर्द हो या शरीर पर रैशेज दिखाई दे रहे हों तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें और डेंगू का टैस्ट करा लें।

क्या हैं लक्षण:-

- ठंड लगने के बाद अचानक तेज बुखार चढ़ना।
- आंखों के पिछले हिस्से में दर्द होना, जो आंखों को दबाने या हिलाने से और बढ़ जाता है।
- सिर, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द होना।
- कमजोरी महसूस होना, भूख न लगना, जी मितलाना और मुंह का स्वाद खराब होना।
- गले में हल्का दर्द होना।
- चेहरे, गर्दन और छाती पर लाल-गुलाबी रंग के रैशेज होना।

डेंगू के बुखार की अवस्थाएं

पहली अवस्था:-

डेंगू बुखार की तीन अवस्थाएं होती हैं। पहली अवस्था सामान्य डेंगू बुखार की होती है। इसमें रोगी को तेज बुखार हो जाता है, जो चार-पांच दिनों तक रहता है। इस बुखार के साथ सिर, आंखों, जोड़ों और मांसपेशियों मे दर्द भी रहता है। यह बुखार कुछ दिन के उपचार से ठीक हो जाता है।

दूसरी अवस्था:-

बीमारी की दूसरी अवस्था डेंगू रक्तस्त्रवी बुखार है, जिसे डेंगू हेमरेजिक फीवर कहते हैं। यह अवस्था अत्यंत खतरनाक होती है। इस स्थिति में विषाणु रक्त की परतों (ब्लड प्लेटलेट्स) को तेजी से नष्ट करते हैं, जिसमें रोगी के आंतरिक अंगों से रक्तस्त्रव होने लगता है। मरीज को शौच या उलटी में खून आता है। इस अवस्था में अगर रोगी को ब्लड प्लेटलेट्स न चढ़ाये जाएं, तो उसकी मृत्यु तक हो सकती है।

तीसरी अवस्था:-

बुखार की तीसरी अवस्था है डेंगू शॉक सिंड्रोम। इसमें रोगी का रक्तचाप तेजी से घट जाता है और शरीर में शॉक के लक्षण उभरने लगते हैं। मरीज बहुत बेचैन हो जाता है। तेज बुखार के बावजूद उसकी त्वचा ठंडी महसूस होती है। इसके बाद मरीज धीरे-धीरे होश खोने लगता है।

डेंगू की जांच में कराएं ये टेस्ट

एंटीजन ब्लड टैस्ट (एनएस-1) एवं एंटीबॉडी टैस्ट (डेंगू सिरोलॉजी)। शुरुआती तौर पर डॉक्टर एंटीजन ब्लड टैस्ट (एनएस-1) कराने की सलाह देते हैं। बुखार 4 से 7 दिन तक चलता है तो एंटीबॉडी टैस्ट (डेंगू सिरोलॉजी) कराना बेहतर है।

तेज बुखार में क्या करें, क्या नहीं

बुखार अगर 102 डिग्री तक है और कोई अन्य खतरनाक लक्षण नहीं हैं तो डॉक्टरी परामर्श के साथ मरीज की देखभाल घर पर ही कर सकते हैं। मरीज के शरीर पर सामान्य पानी की पट्टियां रखें। पट्टियां तब तक रखें, जब तक शरीर का तापमान कम न हो जाए। मरीज को हर छह घंटे में पैरासिटामॉल की एक गोली दे सकते हैं। दो दिन तक बुखार ठीक न हो तो मरीज को डॉक्टर के पास जरूर ले जाएं।

(मूलचंद मेडसिटी के इंटरनल मेडिसिटी के कंसल्टेंट डॉ. वीरेन्द्र आनन्द और डॉ. श्रीकांत शर्मा से बातचीत पर आधारित)

आज का राशिफल

मेष राशि :-आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा मध्यम रहेगा और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ राशि :- गुस्से पर काबू और वाणी पर संयम रखना आवश्यक है। कहीं बाहर घूमने-फिरने जा सकते हैं।

मिथुन राशि :-परिजनों के साथ भरपूर मनोरंजन कर सकते हैं। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा।

कर्क राशि :- परिजनों-मित्रों के साथ मांगिलक आयोजनों में शामिल हो सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें।

सिंह राशि :-आज का दिन आर्थिक योजना को लागू करने के लिए अच्छा है। खान-पान का ध्यान रखें।

कन्या राशि :- लम्बे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी और जिंदगी सही दिशा की ओर मोड़ लेगी।

तुला राशि :-। शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति और ताजगी का अनुभव करेंगे। खान-पान का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :-मित्रों तथा स्वजनों से मुलाकात होगी। परिवार का वातावरण सुखमय रहेगा।

धनु राशि :-परिजनों के साथ समय आनंद में व्यतीत होगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखकर विवाद से बच सकते हैं।

मकर राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे।

कुम्भ राशि :- सहकर्मियों और अधिकारियों से भरपूर सहयोग मिलेगा। वाणी पर संयम आपको लाभ दिला सकता है।

मीन राशि :- शुभकार्य करने की प्रेरणा मिलेगी और पठन- लेखन जैसी साहित्यिक प्रवृत्तियों में अभिरुचि बढ़ेगी।

-ज्योतिषाचार्य: पंडित जितेंद्र तिवारी

लखनऊ के खिलाफ मेच में हार का सिलसिला तोड़ने को बेताब होगी चेन्नई सुपर किंग्स

लखनऊ। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इससे खराब दौर कभी नहीं देखा है और उसके बल्लेबाजों को सोमवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले मैच में लगातार हार के सिलसिले पर लगाम लगाने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा। सीएसके ने आईपीएल के इतिहास में लगातार पांच मैच कभी नहीं गंवाये हैं जिसमें अपने गढ़ चेपॉक में लगातार तीन मैच में हार मिलना भी पहली दफा हुआ है।

सीएसके को अगर कोई मुश्किल दौर से निकाल सकता है तो वह महेंद्र सिंह धोनी हैं। लेकिन रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद कप्तानी में धोनी की वापसी भी शुक्रवार को टीम के पिछले मैच में उनकी किस्मत नहीं बदल सकी। घरेलू मैदान पर स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजों के संघर्ष को देखते हुए बल्लेबाजों को फॉर्म हासिल करने के लिए घर से बाहर खेलने में कोई दिक्कत नहीं होगी। अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज गायकवाड़ की अनुपस्थिति ने टीम की वापसी की कोशिश को और भी मुश्किल बना दिया है। सीएसके पर अपने उन खिलाड़ियों को रखने का आरोप लगाया गया है जो अब

अपनी शीर्ष फॉर्म में नहीं हैं। और अब लगातार हार के रिकॉर्ड के बाद यह सवाल फिर से उठने लगा है। उनकी टीम में 'पावर-हिटर' की कमी भी चर्चा का विषय बन गई है क्योंकि धोनी ने खुद स्वीकार किया है कि पावरप्ले में 60 रन बनाने का लक्ष्य भी उनके लिए बहुत महत्वाकांक्षी है। सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र और डेवोन कॉनवे दो बेहतरीन बल्लेबाज हैं लेकिन उनसे पहली गेंद से ही जोरदार बल्लेबाजी की उम्मीद करना उनके खेलने की शैली के खिलाफ है। गायकवाड़ की जगह तीसरे नंबर पर आने वाले राहुल त्रिपाठी पर अच्छा प्रदर्शन करने का काफी दबाव होगा। टीम को अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा से भी अच्छे प्रदर्शन की दरकार है। शिवम दुबे को 'पावर-हिटिंग' के मोर्चे पर अधिक समर्थन की जरूरत है और ऐसा करने के लिए सबसे बेहतर खुद धोनी हैं लेकिन बल्लेबाजी क्रम में उनका लगातार बदलाव करना विश्व कप विजेता कप्तान के लिए मुश्किल काम हो गया है।

वह पिछले मैच में नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे। पिछले मैच के बाद सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइक हसी ने कहा कि उनकी टीम अभी हार नहीं मानने वाली है। हसी ने कोलकाता नाइट राइडर्स से मिली हार के बाद कहा कि मुझे अब भी लगता है कि हमारे पास सही खिलाड़ी हैं। हमारे खेलने के तरीके के बारे में बहुत चर्चा होती है। लेकिन हमारे पास जो खिलाड़ी हैं, हम उनसे बिल्कुल अलग तरीके से खेलने के लिए नहीं कहना चाहते। यह उनके लिए स्वाभाविक है। वहीं मेजबान टीम लखनऊ सुपर जायंट्स लगातार चौथी जीत की तलाश में होगी।

टीम ने अच्छे अंतर से जीत दर्ज करने के बाद टूर्नामेंट में जरूरी निरंतरता हासिल की है। मुख्य तेज गेंदबाजों के चोटिल होने के कारण प्रतियोगिता की शुरुआत में उनकी गेंदबाजी सबसे कमजोर कड़ी थी लेकिन शनिवार को गुजरात टाइटन्स पर जीत हासिल करने में गेंदबाजों ने अहम भूमिका निभाई। आवेश खान, रवि बिश्नोई और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाजों ने जिस तरह से गुजरात टाइटन्स की शानदार शुरुआत के बाद लगाम कसी, यह देखना शानदार था। गेंदबाज पारी के अंत में रनों के प्रवाह को रोकने में सक्षम रहे। लखनऊ की पिच पारंपरिक रूप से धीमी है और बल्लेबाजी के लिए बेहतर रही है।

पिच निकोलस पूरन जैसे खिलाड़ियों के लिए अनुकूल है जो हमेशा की तरह ही शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। शीर्ष क्रम में मिचेल मार्श की अनुपस्थिति ने शनिवार को ऋषभ पंत को फॉर्म में चल रहे एडेन मारक्रम के साथ पारी का आगाज करने का मौका दिया। पंत ने शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन क्या मार्श की वापसी के बाद वह खुद को सलामी बल्लेबाज के रूप में मौका देंगे? यह सवाल बना हुआ है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्श अब तक उनके सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक रहे हैं जिससे पंत का शीर्ष पर बल्लेबाजी करना मुश्किल है।

टीम इस प्रकार हैं:

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, आर्यन जुयाल , हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन , मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, रविंद्र जडेजा, शिवम दूबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम करन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

सॉल्ट और कोहली का अर्धशतक आरसीबी ने RR को नौ विकेट से रौंदा

- सॉल्ट (65 रन, 33 गेंद, छह छक्के, पांच चौके) और कोहली (नाबाद 62, 45 गेंद, चार चौके, दो छक्के) के बीच पहले विकेट की 92 रन की तेजतर्रार साझेदारी से आरसीबी ने 174 रन के लक्ष्य को 17.3 ओवर में एक विकेट पर 175 रन बनाकर हासिल कर लिया।
- कोहली ने देवदत्त पडिक्कल (नाबाद 40, 28 रन, पांच चौके, एक छक्का) के साथ दूसरे विकेट के लिए 83 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।
- राजस्थान रॉयल्स ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (75 रन, 47 गेंद, 10 चौके, दो छक्के) के अर्धशतक से चार विकेट पर 173 रन बनाए।

जयपुर। फिल सॉल्ट और विराट कोहली के अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को नौ विकेट से रौंद दिया। सॉल्ट (65 रन, 33 गेंद, छह छक्के, पांच चौके) और कोहली (नाबाद 62, 45 गेंद, चार चौके, दो छक्के) के बीच पहले विकेट की 92 रन की तेजतर्रार साझेदारी से आरसीबी ने 174 रन के लक्ष्य को 17.3 ओवर में एक विकेट पर 175 रन बनाकर हासिल कर लिया। कोहली ने देवदत्त पडिक्कल (नाबाद 40, 28 रन, पांच चौके, एक छक्का) के साथ दूसरे विकेट के लिए 83 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

राजस्थान रॉयल्स ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (75 रन, 47 गेंद, 10 चौके, दो छक्के) के अर्धशतक से चार विकेट पर 173 रन बनाए। जायसवाल ने रियान पराग (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी भी की। ध्रुव जुरेल ने अंत में 23 गेंद में दो चौकों और दो छक्कों से नाबाद 35 रन की पारी खेलकर टीम को चुनौतपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे आरसीबी को सॉल्ट और कोहली ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में 65 रन जोड़े। सॉल्ट ने जोफ्रा आर्चर पर चौके और छक्के के साथ अपनी पारी की शुरुआत की जबकि कोहली ने तुषार देशपांडे पर चौका जड़ा। सॉल्ट ने आर्चर के दूसरे ओवर में चौका और छक्का मारा जबकि कोहली सात रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब संदीप शर्मा की गेंद पर पराग उनका कैच लपकने में नाकाम

रहे। सॉल्ट ने महेश तीक्षणा और संदीप शर्मा पर भी छक्के मारे। संदीप की गेंद पर हालांकि सॉल्ट भाग्यशाली रहे जब कवर्स में जायसवाल ने उनका कैच टपका दिया। सॉल्ट ने वानिंदु हसरंगा पर चौके के साथ 28 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और फिर इस स्पिनर पर छक्का भी जड़ा। सॉल्ट ने कुमार कार्तिकेय पर भी छक्का मारा लेकिन अगली गेंद को डीप मिडविकेट पर जायसवाल के हाथों में खेल गए। आरसीबी के रनों का शतक 10वें ओवर में पूरा हुआ। कोहली ने कार्तिकेय और हसरंगा पर छक्के के साथ 39 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। पडिक्कल ने देशपांडे पर चौके और छक्के के बाद संदीप पर चौके के साथ टीम को जीत दिलाई। इससे पहले आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद जायसवाल और संजू सैमसन (15) ने पावर प्ले में 45 रन जोड़कर टीम को सतर्क शुरुआत दिलाई। जायसवाल ने भुवनेश्वर कुमार पर चौके से खाता खोला और फिर यश दयाल की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा।

सैमसन हालांकि जूझते हुए नजर आए और पावर प्ले में उन्होंने एकमात्र चौका जोश हेजलवुड पर जड़ा। इसके बाद कप्तान सैमसन का धैर्य जवाब दे गया। वह कृणाल पंड्या की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश क्रीज से आगे बढ़े और जितेश शर्मा ने उन्हें स्टंप कर दिया। वह 19 गेंद में सिर्फ एक चौका लगा पाए। जायसवाल और पराग ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। पराग ने सुयश शर्मा का स्वागत दो चौकों के साथ किया और फिर कृणाल पर डीप मिडविकेट के ऊपर से छक्का लगाया। जायसवाल ने 13वें ओवर में कृणाल पर एक रन के साथ 35 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और इसी ओवर में चौके के साथ टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। यश ने गेंदबाजी में वापसी करते हुए पराग को कोहली के हाथों कैच कराके राजस्थान को दूसरा झटका दिया। उन्होंने 22 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और एक छक्का मारा। जायसवाल भी यश के इस ओवर में भाग्यशाली रहे जब कवर्स में लियाम लिविंगस्टोन ने उनका कैच टपका दिया। रॉयल्स ने 15 ओवर में दो विकेट पर 114 रन बनाए। जायसवाल ने 16वें ओवर में हेजलवुड की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा लेकिन इसी ओवर में सीधी गेंद को चूककर पगबाधा हो गए।

जुरेल ने सुयश और यश पर छक्के के साथ रन गति में इजाफा करने की कोशिश की। सुयश की गेंद पर हालांकि कोहली ने उनका कैच भी टपकाया। आरसीबी की ओर से जोश हेजलवुड (26 रन पर एक विकेट), कृणाल (29 रन पर एक विकेट), भुवनेश्वर (32 रन पर एक विकेट) और यश (36 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया।

ज्योति और ऋषभ की जोड़ी ने यूएसए में तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में कंपाउंड मिश्रित टीम स्वर्ण जीता

ऑबर्नडेल (यूएसए), 13 अप्रैल (वेब वार्ता)। कंपाउंड तीरंदाजी को 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में शामिल किए जाने के कुछ दिनों बाद, ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव की भारतीय टीम ने शनिवार को अमेरिका के फ्लोरिडा में 2025 तीरंदाजी विश्व कप चरण 1 में कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। यह 2025 तीरंदाजी विश्व कप का पहला कंपाउंड मिश्रित टीम पदक मैच था। भारतीय टीम ने कड़े मुकाबले में स्वर्ण पदक के लिए चीनी ताइपे की जोड़ी हुआंग आई-जौ और चेन चिएन-लुन को 153-151 से हराया।

पूर्व विश्व कप विजेता ज्योति सुरेखा और ऋषभ की भारतीय जोड़ी ने पहला एंड हारने के बाद वापसी की, जिसमें प्रत्येक तीरंदाज ने दो तीर (मिश्रित युगल के मामले में कुल चार) चलाए, 37-38 के स्कोर के साथ वे 9 और दो 10 के दो स्कोर बनाने में सफल रहे। उनके प्रतिद्वंद्वियों ने दो नौ और आंतरिक 10 सर्कल (एक्स) में तीर चलाए। भारतीयों ने दूसरा एंड 38-39 से गंवा दिया और कुल मिलाकर 75-77 से पीछे चल रहे थे, तीन 10 स्कोर करने के बावजूद 8 के स्कोर ने उन्हें पीछे कर दिया। चीनी ताइपे की जोड़ी ने एंड जीतने के लिए एक्स, 10, 10, एक्स शॉट लगाए। तीसरे एंड में, ज्योति और ऋषभ की भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपे की जोड़ी को 39-38 से हराकर अंतर को 113-115 पर ला दिया। चौथे और अंतिम एंड में भारतीय टीम ने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया और 9,10,10, X स्कोर बनाए, जबकि चीनी ताइपे की जोड़ी लड़खड़ा गई और 9, 9, 8, X स्कोर ही बना पाई। भारतीयों ने एंड 39-36 से जीतकर स्वर्ण पदक मैच 153-151 से जीता और इस स्पर्धा में अपना दबदबा कायम किया।

ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव ने सेमीफाइनल में भी असाधारण प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने स्पेन और डेनमार्क के खिलाफ 156 का स्कोर बनाया, जिसमें इंडोर वर्ल्ड सीरीज चैंपियन तानजा गेलेंथियन और दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी मैथियास फुलर्टन शामिल थे – और फिर स्लोवेनिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 159 का अविश्वसनीय स्कोर बनाया, जो परफेक्ट स्कोर से सिर्फ एक कम था। यादव के लिए, शनिवार का फाइनल एक बड़ी उपलब्धि है: उन्होंने अभी तक तीरंदाजी विश्व कप पदक नहीं जीता है, जबकि वह और भारत लॉस एंजेलिस 28 की ओर बढ़ रहे हैं।

बार्सिलोना ने करीबी जीत से ला लिगा में अपनी बढ़त मजबूत की

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने रेलीगेशन का खतरा झेल रहे लेगानेस को आत्मघाती गोल की मदद से 1-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपनी बढ़त मजबूत कर ली। मैच का एकमात्र गोल 48वें मिनट में हुआ जब राफिन्हा के खतरनाक क्रॉस को लेगानेस के डिफेंडर जॉर्ज साएंज़ ने अपने ही नेट में डाल दिया।

इस जीत से बार्सिलोना ने अपने करीबी प्रतिद्वंदी रियाल मैड्रिड पर सात अंकों की बढ़त बना ली है। बार्सिलोना के अब 31 मैच में 70 अंक हो गए हैं जबकि रियाल मैड्रिड के 30 मैच में 63 अंक है और वह दूसरे स्थान पर है।

अन्य मैचों में एस्पेनयॉल ने स्ट्राइकर रॉबर्टो फर्नांडीज के दो गोल की मदद से सेल्टा विगो पर 2-0 से जीत हासिल की जबकि साइल लारिन और सेर्गी डार्डर के गोल की मदद से मैलोर्का ने सैन सेबेस्टियन में रियाल सोसिदाद को 2-0 से हराया। एक अन्य मैच में लास पालमास ने गेटाफे को 3-1 से हरा कर साल की अपनी पहली जीत दर्ज की।

एशियन योगासन स्पोर्ट चैंपियनशिप के लिए राष्ट्रीय ट्रायल जारी, 252 खिलाड़ी दिखा रहे दम

सोनीपत। हरियाणा की खेल यूनिवर्सिटी में दूसरी एशियन योगासन स्पोर्ट चैंपियनशिप के लिए राष्ट्रीय ट्रायल की प्रक्रिया चल रही है।

ट्रायल से उन एथलीटों का निर्धारण होगा जो 25 से 27 अप्रैल तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एरिना में होने वाली इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। ट्रायल्स में देशभर से कुल 252 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें 123 पुरुष और 131 महिलाएं शामिल हैं। प्रतियोगी 12 स्पर्धाओं में भाग लेंगे, जिनमें से प्रत्येक स्पर्धा को प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में योगासन की शक्ति, अनुशासन, संतुलन और एथलेटिक भावना को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पहल का संचालन एशियन योगासन स्पोर्ट्र्स फेडरेशन द्वारा किया जा रहा है, जो एशिया ओलंपिक परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त एक पंजीकृत निकाय है और वर्ल्ड योगासन से संबद्ध है।

योगासन भारत और वर्ल्ड योगासन के महासचिव जयदीप आर्य ने एक बयान में कहा कि ये ट्रायल केवल अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की ओर एक रास्ता नहीं हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और शारीरिक विरासत का उत्सव भी हैं।

यूक्रेन और स्पेन ने बिली जीन किंग कप के फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया

रेडोम (पोलैंड)। एलिना स्वितोलिना ने स्विट्जरलैंड की जिल टीचमैन को 6-4, 6-2 से हराया जिससे यूक्रेन पहली बार बिली जीन किंग कप टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल्स में जगह बनाने में सफल रहा। यूक्रेन ने स्विट्जरलैंड को 2-1 से पराजित किया और इस तरह से ग्रुप ई में शीर्ष पर रहते हुए सितंबर में चीन के शेन्ज़ेन में होने वाले फाइनल्स में प्रवेश किया।

स्पेन ने भी फाइनल्स में अपनी जगह पक्की कर ली है। जेसिका बौज़स मनेरियो ने चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को 6-4, 6-2 से हराकर स्पेन को 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई। बर्नार्डा पेरा ने डेनमार्क की जोहान

स्वेनडसेन को हराकर अमेरिका को ग्रुप सी में 2-0 की बढ़त दिला दी। अमेरिका का अगला मुकाबला मेजबान देश स्लोवाकिया से होगा, जिसमें विजेता रहने वाली टीम फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करेंगी। जापान की मोयुका उचिजिमा ने ग्रुप ए में रोमानिया की एंका टोडोनी को 3-6, 7-6 (3), 6-2 से हराने से पहले दो मैच प्वाइंट बचाए। जापान का अगला मुकाबला कनाडा से होगा जिससे फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने वाली टीम का निर्धारण होगा।

मैनचेस्टर सिटी ने शानदार वापसी की, आर्सेनल ने अपना मैच ड्रॉ खेला

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके क्रिस्टल पैलेस को 5–2 से हराया जिससे उसकी टीम इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर पहुंच गई। क्रिस्टल पैलेस की टीम ने 21 मिनट तक दो गोल की बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन इसके बाद मैनचेस्टर सिटी ने दमदार वापसी की। उसकी तरफ से पहला गोल केविन डी ब्रुइन ने किया।

मैनचेस्टर सिटी की तरफ से ब्रूइन के अलावा पहले हाफ में उमर मार्मौश और माटेओ कोवासिक ने गोल किए।

जेम्स मैकएटी ने चौथा और निको ओरेली ने पांचवा गोल किया। इस जीत से मैनचेस्टर सिटी अंक तालिका में चेल्सी और न्यूकैसल से ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गया है। वह तीसरे स्थान पर मौजूद नॉटिंघम फ़ॉरेस्ट से दो अंक पीछे है, जिसे एवर्टन ने 1-0 से हराया। एक अन्य मैच में एस्टन विला पहले से ही दूसरी डिवीजन में खिसक चुके साउथेम्प्टन को 3-0 से हरा कर पांचवें स्थान पर पहुंच गया। इस बीच दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल को ब्रेंटफोर्ड ने 1-1 से बराबरी पर रोक दिया, जिससे वह पहले स्थान पर चल रहे लिवरपूल से 10 अंक पीछे हो गया है।

युवराज और सूर्यकुमार ने लगातार प्रोत्साहित किया: अभिषेक शर्मा

हैदराबाद। अपने रिकॉर्ड शतक से फॉर्म में वापसी करने वाले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इसका श्रेय अपने मार्गदर्शक युवराज सिंह और भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को दिया जिन्होंने खराब दौर में उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अभिषेक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में शनिवार को यहां 55 गेंद पर 141 रन की तूफानी पारी खेली जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने 246 रन के लक्ष्य को बौना साबित करके पिछले चार मैच से चला आ रहा हार का सिलसिला खत्म किया। यह आईपीएल में किसी भारतीय बल्लेबाज का सर्वोच्च स्कोर है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हालांकि स्वीकार किया कि उन पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव था। सनराइजर्स की टीम को छह दिन का ब्रेक मिला था लेकिन अभिषेक इनमें से चार दिन बुखार से पीड़ित रहे। उन्होंने

शतक पूरा करने के बाद एक पर्ची अपनी जेब से निकाली जिस पर लिखा था, 'यह पारी ऑरेंज आर्मी (सनराइजर्स के समर्थक) को समर्पित है। अभिषेक ने संवाददाताओं से कहा कि ईमानदारी से कहूं तो जब भी मैं सुबह जागता हूं तो कुछ ना कुछ लिखता हूं। आज मेरे मन में ऐसा ही विचार आया कि अगर मैं कुछ खास करता हूं तो उसे ऑरेंज आर्मी को समर्पित करूंगा। सौभाग्य से आज का दिन मेरा था। उन्होंने कहा कि जब वह रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे तो युवराज और सूर्यकुमार लगातार उनका हौसला बढ़ा रहे थे। अभिषेक ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं चार दिन से बीमार था। मुझे बुखार था लेकिन मैं खुशनसीब हूं कि मेरे आस-पास युवराज सिंह और सूर्यकुमार जैसे लोग हैं जो लगातार फोन करके मेरा हौसला बढ़ाते रहे। उन्होंने कहा कि क्योंकि वे जानते हैं कि मैं इस तरह की पारी खेल सकता हूं लेकिन जब आप रन नहीं बना पा रहे होते हो तो आप खुद पर संदेह करने लग जाते हो। लेकिन उन्हें मुझ पर पूरा भरोसा था और जब आपके आसपास आप पर भरोसा करने वाले लोग होते हैं तो आप भी खुद पर विश्वास करना शुरू कर देते हैं। इसलिए यह मेरे लिए केवल एक पारी की बात थी।

अभिषेक का इस पारी के दौरान भाग्य ने भी साथ दिया और उन्होंने स्वीकार किया कि उन पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव था। उन्होंने कहा कि अगर मैं नहीं कहूंगा तो यह झूठ होगा। निश्चित तौर पर तीन चार पारियों में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने का दबाव था, विशेष कर तब जब कि आपकी टीम लगातार हार रही हो। लेकिन टीम का हर खिलाड़ी लगातार चार मैच में हार के बाद वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध था।

लुकास मार्टेंस ने पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल में तैराकी का विश्व रिकॉर्ड बनाया

स्टॉकहोम। ओलंपिक चैंपियन जर्मनी के लुकास मार्टेंस ने 'स्विम ओपन स्टॉकहोम' में पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल में रिकॉर्ड बनाया। मार्टेंस ने पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा तीन मिनट 39.96 सेकेंड में पूरी की जिससे वह तीन मिनट 40 सेकेंड के बैरियर को तोड़ने वाले पहले तैराक बन गए। तेईस वर्षीय मार्टेंस ने 2024 पेरिस ओलंपिक में 3:41.78 के समय के साथ 400 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीता था। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार उन्होंने इस तरह 2009 में जर्मनी के साथी पॉल बिडरमैन द्वारा बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को 0.11 सेकेंड तोड़ दिया।

यूक्रेन के सूमी शहर में रूस के मिसाइल हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन के सूमी शहर में रविवार को रूस के मिसाइल हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई। शहर के कार्यवाहक महापौर और यूक्रेन के महाभियोजक कार्यालय ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार रविवार को लोग 'पाम संडे' मनाने एकत्र हुए थे, तभी पूर्वाह्न लगभग सवा 10 बजे बैलिस्टिक मिसाइल से यह हमला हुआ। आधिकारिक चैनलों पर प्रसारित घटना की वीडियो में जमीन पर शव पड़े हुए दिख रहे हैं और आसपास मलबा पड़ा हुआ है।

महापौर अर्टेम कोबजर ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि पाम संडे के अवसर पर हमारे लोगों को भयावह त्रासदी का सामना करना पड़ा। दुर्भाग्य से 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। महाभियोजक कार्यालय ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए कहा कि हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई है। गृह मंत्री इहोर क्लाइमेंको ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सात बच्चों समेत 83 लोग घायल हुए हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि दो मिसाइल हमलों में कई लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक सूचना के अनुसार कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने हमले पर वैश्विक प्रतिक्रिया का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बातचीत से बैलिस्टिक मिसाइलों और बमों पर कभी रोक नहीं लगी। रूस के प्रति वैसा रवैया अपनाने की जरूरत है जैसा किसी आतंकवादी के प्रति अपनाया जाता है।

इससे एक दिन पहले रूस और यूक्रेन के शीर्ष राजनयिकों ने ऊर्जा संरचना पर हमले रोकने के लिए अमेरिका द्वारा कराए गए संभावित समझौते के उल्लंघन का एक-दूसरे पर आरोप लगाया था। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने वार्षिक 'अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम' में अलग-अलग कार्यक्रमों में बात की। इससे एक दिन पहले अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ ने शांति संभावनाओं पर चर्चा के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि यूक्रेन शुरू से ही हम पर हमला कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूस अमेरिका, तुर्की और अंतरराष्ट्रीय निकायों को पिछले तीन सप्ताह के दौरान यूक्रेन के हमलों की सूची उपलब्ध कराएगा।

वहीं, यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने उनके दावे पर कड़ा विरोध जताते हुए शनिवार को कहा कि रूस ने हमले सीमित करने को लेकर सहमति बनने के बाद से यूक्रेन पर लगभग 70 मिसाइल, 2,200 ड्रोन और 6,000 से अधिक हवाई बम के जरिये हमले किए हैं। ये हमले अधिकतर आम लोगों पर किये गए।

जाति जनगणना: कर्नाटक सरकार जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेगी: डीके शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट (जाति जनगणना) के सिलसिले में जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेगी। इस रिपोर्ट को हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष पेश किया गया था।

शिवकुमार ने कहा कि मंत्रिमंडल सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट का अध्ययन करेगा और तथ्यों के आधार पर सभी के साथ न्याय किया जाएगा। उन्होंने रिपोर्ट के खिलाफ दिए जा रहे बयानों को 'राजनीतिक' करार दिया। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट शुक्रवार को मंत्रिमंडल के समक्ष रखी गई और 17 अप्रैल को होने वाली विशेष कैबिनेट बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी। तत्कालीन अध्यक्ष के जयप्रकाश हेगड़े के नेतृत्व वाले आयोग ने पिछले साल 29 फरवरी को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को रिपोर्ट सौंपी थी, जबकि समाज के कुछ वर्गों ने इस पर आपत्ति जताई थी और सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर भी इसके खिलाफ आवाज उठ रही थी।

शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने इसके बारे में बात की है। मैंने अभी तक रिपोर्ट नहीं देखी है, क्योंकि मैं कल बेलगावी और मंगलुरु के दौरे पर था। इस पर मंत्रिमंडल बैठक में चर्चा होनी है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि इस पर विधानसभा में भी चर्चा की जाएगी। कोई भी जल्दबाजी में फैसला नहीं लेगा। बेंगलुरु के पास डोड्डाबल्लापुर में संवाददाताओं से मुखातिब उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग इसके (जाति जनगणना) बारे में राजनीतिक बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन हम तथ्यों को समझेंगे और सभी के साथ न्याय करेंगे।

इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बेंगलुरु में संवाददाताओं से कहा कि उन्हें नहीं पता कि रिपोर्ट में क्या है, इसलिए वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहेंगे। खरगे ने कहा कि मुझे नहीं पता, क्योंकि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि मंत्रिमंडल बैठक में क्या चर्चा होगी या रिपोर्ट में क्या है। अगर मुझे रिपोर्ट मिलती है, तो मैं कुछ कह सकता हूं। या अगर 17 अप्रैल की मंत्रिमंडल बैठक में कोई स्पष्ट निर्णय लिया जाता है, तो मैं उस पर प्रतिक्रिया दे सकता हूं।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक में 2015 में किए गए सर्वेक्षण में शामिल कुल 5.98 करोड़ नागरिकों में से लगभग 70 फीसदी यानी 4.16 करोड़ विभिन्न ओबीसी श्रेणियों के अंतर्गत आते हैं। सूत्रों ने बताया कि आयोग ने ओबीसी कोटा को मौजूदा 32 फीसदी से बढ़ाकर 51 प्रतिशत करने की सिफारिश की है। कर्नाटक में एससी समुदाय को मौजूदा समय में 17 फीसदी, जबकि एसटी समुदाय को सात प्रतिशत आरक्षण हासिल है।

ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में 8 पाकिस्तानी श्रमिकों की हत्या

इस्लामाबाद। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में बलूच उग्रवादियों ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के आठ श्रमिकों की हत्या कर दी। रविवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। समाचार पत्र 'डॉन' की खबर के अनुसार घटना शनिवार को मेहरिस्तान जिले के एक गांव में हुई। ईरानी अधिकारियों ने पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या की पुष्टि करते हुए कहा कि वे दक्षिणी पंजाब के बहावलपुर के रहने वाले थे और कार मरम्मत की एक दुकान में काम करते थे। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि वे उसी दुकान में रहते थे जहां कारों की मरम्मत करते थे। खबर के अनुसार, अज्ञात हथियारबंद लोग रात में दुकान में घुसे और उनके हाथ-पैर बांध दिए, इसके बाद उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी करके उनकी हत्या कर दी। खबर में कहा गया है कि हमलावर आठ पाकिस्तानी श्रमिकों की हत्या करने के बाद फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद ईरानी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। प्रतिबंधित बलूचिस्तान नेशनल आर्मी (बीएनए) के प्रवक्ता ने मीडिया में एक बयान जारी कर आठ पाकिस्तानियों की हत्या की जिम्मेदारी ली। ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।सिस्तान बलूचिस्तान में यह ऐसी दूसरी घटना है। पिछले साल जनवरी में हथियारबंद लोगों ने सरवन शहर में नौ पाकिस्तानियों की हत्या कर दी थी, जो ईरान में मोटर मैकेनिक के तौर पर काम करते थे।

इजराइल ने गाजा में अस्पताल को बनाया निशाना

दीर अल-बलाह (गाजा)। इजराइल ने रविवार तड़के उत्तरी गाजा स्थित एक अस्पताल पर हमला किया, जिससे मरीजों को अस्पताल से निकालना पड़ा। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इजराइल ने निकासी की चेतावनी जारी किए जाने के बाद गाजा सिटी के अल-अहली अस्पताल पर तड़के हमला किया।

मंत्रालय ने बताया कि अस्पताल खाली करने के दौरान एक मरीज की मौत हो गई क्योंकि चिकित्सकीय कर्मी तत्काल देखभाल प्रदान करने में असमर्थ थे। मृतक मरीज एक लड़की थी। यरुशलम डायोसिस द्वारा संचालित इस अस्पताल पर 'पाम संडे' के दिन हमला किया गया, जो यीशु के यरुशलम में प्रवेश की याद में मनाया जाता है। डायोसिस आफ यरूशलम ने हमले की निंदा की और कहा कि यह हमला 'पाम संडे' के दिन किया गया जब ईसाई वर्ष के सबसे पवित्र सप्ताह (होली वीक) की शुरुआत हो रही है। इजराइल ने कहा कि उसने अस्पताल में बने कमान और नियंत्रण केंद्र पर हमला किया, जिसका इस्तेमाल हमास द्वारा इजराइली नागरिकों और सैनिकों के खिलाफ हमलों की साजिश रचने और उन्हें अंजाम देने के लिए किया जाता था। हालांकि, इजराइल ने कोई सबूत नहीं दिया।

इजराइल ने कहा कि हमले से पहले, क्षति को कम करने के लिए कदम उठाए गए थे, जिसमें चेतावनी जारी करना और हवाई निगरानी शामिल थी। इसके कुछ ही घंटे बाद, मध्य गाजा के दीर अल-बलाह में एक कार पर किये गए एक अन्य हमले में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई।

अल-अक्सा मार्टर्स अस्पताल के मुर्दाघर के कर्मचारियों ने बताया कि मृतकों में छह भाई और उनका मित्र शामिल था। शवों को इसी अस्पताल में रखा गया है। इजराइली सेना ने कहा कि उसने दीर अल-बलाह के इलाके में एक और कमान एवं नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाया, उस समय कई हमास लड़ाके वहां मौजूद थे और इजराइली सैनिकों के खिलाफ हमला करने की साजिश रच रहे थे। यह उसी इलाके में कार पर हमले से जुड़ा नहीं था, जिसके बारे में सेना ने कहा कि वह इसकी जांच कर रही है। ये हमले इजराइली रक्षा मंत्री के उस बयान के कुछ घंटे बाद हुए जिसमें उन्होंने कहा था कि गाजा में सैन्य गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी और लोगों को 'संघर्ष वाले क्षेत्रों' को खाली करना होगा।

इजराइली प्राधिकारियों ने हमास पर शेष 59 बंधकों को रिहा करने और प्रस्तावित नये संघर्ष विराम शर्तों को स्वीकार करने के लिए दबाव बनाने की प्रतिबद्धता जताई है। इन बंधकों में से 24 के जीवित होने का अनुमान है।

अल-अहली अस्पताल के निदेशक डॉ. फदेल नईम ने कहा कि उन्हें हमले से पहले ही चेतावनी दी गई थी। 'एक्स' पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि आपातकालीन कक्ष, फार्मेसी और आसपास की इमारतें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिससे 100 से अधिक मरीज और दर्जनों चिकित्सा कर्मचारी प्रभावित हुए।

> "स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमले के कारण बाह्यरोग वार्ड और प्रयोगशालाएं नष्ट हो गईं तथा आपातकालीन वार्ड को क्षति पहुंची। घटना के बाद की तस्वीरों में अस्पताल की सीमेंट की छत टूटी हुई दिखायी दी, जिसके चारों ओर मलबा फैला हुआ था। स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक डॉ. मुनीर अल-बोर्श ने कहा कि लोगों को निकालने की यह प्रक्रिया भयावह है, जिसमें लोगों को अस्पताल के बेड पर सड़कों पर ले जाया गया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 11 लोग मारे गए हैं और 100 से अधिक घायल हुए हैं।

मृत्युदंड देना इस्लाम का हिस्सा: तालिबान नेता

काबुल। अफगानिस्तान में हत्या के एक मामले में दोषी ठहराए गये 4 लोगों को गोली मारकर मौत की सजा देने के कुछ दिनों बाद तालिबान के एक नेता ने कहा कि मृत्युदंड इस्लाम का हिस्सा है। चारों दोषियों को शुक्रवार को एक खेल स्टेडियम में गोली मारी गयी और यह 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से एक दिन में सबसे ज्यादा लोगों को दी गई मौत की सजा है। तालिबान नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा ने पूर्व में अफगानिस्तान में पश्चिमी कानूनों की जरूरत को खारिज कर दिया था। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने रविवार को 'एक्स' पर एक ऑडियो क्लिप जारी किया जिसमें अखुंदजादा ने कहा, 'हमें अनुशासनात्मक उपाय, प्रार्थनाएं और इबादत के काम करने चाहिए। हमें पूरी तरह से इस्लाम अपनाना चाहिए। इस्लाम सिर्फ कुछ रस्मों तक सीमित नहीं है, यह सभी अल्लाह के आदेशों की एक व्यापक व्यवस्था है।' दक्षिणी कंधार प्रांत में हज प्रशिक्षकों की संगोष्ठी में 45 मिनट के भाषण के दौरान अखुंदजादा ने कहा कि इस्लाम का एक भी आदेश अधूरा नहीं छोड़ा जाना चाहिए। अखुंदजादा ने कहा कि अल्लाह ने लोगों को इबादत करने और उसकी सजाओं को लागू करने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि तालिबान ने सत्ता या धन के लिए युद्ध नहीं किया बल्कि 'इस्लामी कानून को लागू करने' के लिए युद्ध किया।

मेरी सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध: नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) की ओर से पटना में आयोजित 'भीम संवाद' में नीतीश ने समाज के सभी वर्गों के लोगों से शांति एवं सद्भाव के साथ एकजुट होकर रहने की अपील की। आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नीतीश ने पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल में रहने के दौरान बाबासाहेब के घर के अपने दौरे को याद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार दलितों, महादलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों, मुस्लिम समुदाय और सवर्णों सहित समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। बाबासाहेब हमारे लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि जब मैं केंद्रीय मंत्री था, तब मैंने उनके घर जाकर उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की थी। मैं समाज के सभी वर्गों के लोगों से शांति और सद्भाव के साथ एकजुट होकर रहने की अपील करता हूं। बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और पार्टी के कई शीर्ष नेता मौजूद थे।

इस बीच, जदयू की गठबंधन सहयोगी भाजपा ने बापू सभागार से कुछ ही दूरी पर स्थित ऐतिहासिक गांधी मैदान से 'जय भीम' पदयात्रा शुरू की। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा व कई अन्य पार्टी नेताओं ने इस पदयात्रा में हिस्सा लिया। मांडविया ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर रविवार को पटना में 'माई भारत' के छह हजार से अधिक युवा साथियों ने 'जय भीम पदयात्रा' निकाली। बाबासाहेब संविधान के निर्माता थे, उन्होंने भारत के मजबूत लोकतंत्र की नींव रखी।'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनके विचारों, दूरदर्शिता और सिद्धांतों के आधार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक देश को विकसित बनाने का लक्ष्य रखा है और इसमें युवाओं की भागीदारी सबसे अहम है। इस पदयात्रा के जरिये हजारों युवा बाबासाहेब के विचारों से जुड़े।

मध्य म्यांमा में भूकंप के झटके

बैंकॉक। मध्य म्यांमा के छोटे से शहर मीकटिला के निकट रविवार सुबह 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी। यह भूकंप ऐसे समय में आया है जब म्यांमा 28 मार्च को देश के मध्य क्षेत्र में आए 7.7 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद राहत कार्य में जुटा है। नवीनतम भूकंप का केंद्र म्यांमा के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले और राजधानी नेपीता के बीच था, जहां पिछले माह आए भूकंप में भारी क्षति हुई थी और लोग हताहत हुए थे। नये भूकंप से किसी बड़े नुकसान या किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है। यह 28 मार्च के भूकंप के बाद आए सैकड़ों झटकों में से सबसे शक्तिशाली था। म्यांमा की सैन्य सरकार के प्रवक्ता मेजर जनरल जॉ मिन तुन के अनुसार, शुक्रवार तक भूकंप में मरने वालों की संख्या 3,649 थी तथा 5,018 लोग घायल हुए थे। म्यांमा के मौसम विभाग ने बताया कि रविवार को भूकंप मांडले से 97 किलोमीटर दक्षिण में वुंडविन टाउनशिप के क्षेत्र में 20 किलोमीटर की गहराई पर आया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने इसकी गहराई 7.7 किलोमीटर आंकी है।

मध्य प्रदेश में कृषि, पशुपालन और सहकारिता के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं: अमित शाह

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मध्य प्रदेश में कृषि, पशुपालन और सहकारिता के क्षेत्र में बहुत संभावनाएँ हैं। इन संभावनाओं के शत-प्रतिशत दोहन करने के लिए ढेर सारे काम करने की जरूरत है। वर्षों से सहकारिता आंदोलन मृतप्राय होता जा रहा था। कुछ राज्यों में ये आंदोलन गति पकड़ चुका है तो कुछ जगह संपूर्ण विनाश भी हुआ है। इसका मूल कारण था कि समय के साथ कानूनों में बदलाव होना चाहिए था वो नहीं हो पाया।

शाह रविवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन सभागार में आयोजित 'राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री शाह के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री मोहन यादव यादव की उपस्थिति में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और मध्य प्रदेश सरकार (राज्य सहकारी दुग्ध संघ) के मध्य सहकार्यता अनुबंध किया गया। इस अवसर पर पैक्स के मध्य भी अनुबंध निष्पादित किए गए एवं पैक्स के माध्यम से हितग्राहियों को ऋण एवं किसानों को क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए।

केंद्रीय मंत्री शाह ने सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर समग्रता की दृष्टि से हर राज्य की विभिन्न परिस्थितियों को एक स्थान पर रखकर केंद्रीय स्तर पर सहकारिता के विकास में कोई विचार नहीं हुआ। इसका कारण था कि सहकारिता के क्षेत्र का कोई मंत्रालय ही देश में नहीं था। आजादी के 75 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की और मुझे इस विभाग का मंत्री बनाया। साढ़े तीन साल के समय में मोदी ने खुद बहुत बारीकी से देखकर सहकारिता आंदोलन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। हम संविधान की मर्यादा में रहकर कार्य करने वाले लोग हैं। आज भी सहकारिता राज्यों का ही विषय है। केंद्र सरकार का सहकारिता मंत्रालय राज्य सरकारों को इस आंदोलन में एक मंच पर लाने का कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि आज भी सहकारिता राज्य का विषय है। भारत सरकार राज्य की सूची में कोई बदलाव नहीं कर सकती, लेकिन टैक्स को पुनर्जीवित करना, डेयरी क्षेत्र को बढ़ाना, उत्पादन के क्षेत्र में सहकारिता को ले जाना, अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक, जिला सहकारी बैंक और ग्रामीण बैंकों के सुचारु व्यवस्थापन का सारा काम कैसे होगा। सहकारिता मंत्रालय में सबसे पहले मॉडल बायलॉज बनाए और उसे सभी राज्य सरकारों को भेजे। कई पत्रकार अटकलें लगा रहे थे कि मॉडल बायलॉज राजनीति की भेंट चढ़ जाएगा। कई गैर भाजपा शासित राज्य बायलॉज स्वीकार नहीं करेंगे। मैं कहना चाहता हूं की संपूर्ण भारत में मॉडल बायलॉज को स्वीकार किया गया है। जब आपकी नीयत साफ हो और परिश्रम करने की भावना हो, तो परिणाम भी सकारात्मक आते हैं।

उन्होंने कहा कि प्राइमरी सोसाइटी को सशक्त करने वाले मॉडल बायलॉज को स्वीकार कर, राज्यों ने देश के सहकारिता क्षेत्र में नई जान फूंकने का कार्य किया है। इसलिए, मैं सभी राज्यों का धन्यवाद देता हूं। मैं मध्य प्रदेश सरकार को बधाई देता हूं कि उन्होंने पैक्स के कम्प्यूटरीकरण में पूरे भारत में सबसे पहले कार्य किया है।

आईएनएस सुनयना तंजानिया के दार-एस-सलाम बंदरगाह पहुंचा, नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेगा

नई दिल्ली। भारतीय महासागर जहाज (आईओएस) सागर जहाज के रूप में नामित आईएनएस सुनयना तंजानिया के दार-एस-सलाम बंदरगाह पर पहुंच गया है। यह जहाज 05 अप्रैल को गोवा के कारवार से रवाना हुआ था, जिसमें भारतीय महासागर क्षेत्र (आईओआर) के नौ मित्र देशों के 44 नौसैनिक सवार हैं। यह जहाज अभ्यास एआईकेईवाईएमई के बंदरगाह चरण में भी भाग लेगा, जो एक प्रमुख नौसैनिक अभ्यास है। इसका उद्घाटन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को किया है।

आईओएस सागर का तंजानिया नौसेना के प्रमुख रियर एडमिरल एआर हसन, एसीएनएस रियर एडमिरल निर्भय बापना और तंजानिया के रक्षा अताशे कमोडोर अग्यपाल सिंह के साथ-साथ भारतीय उच्चायोग और तंजानिया पीपुल्स डिफेंस फोर्स के अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस पोर्ट कॉल के दौरान जहाज अभ्यास एआईकेईवाईएमई के बंदरगाह चरण में भी भाग लेगा, जो एक प्रमुख नौसैनिक अभ्यास है। यह अभ्यास परिचालन समन्वय बढ़ाने, संयुक्त रणनीतियों और समुद्री परिचालन को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित होगा। भारतीय नौसेना के दो जहाज आईएनएस चेन्नई (विध्वंसक) और आईएनएस केसरी भी आईएनएस सुनयना के साथ अभ्यास में भाग लेंगे। भारत पहली बार 10 अफ्रीकी देशों के साथ एआईकेईवाईएमई नामक प्रमुख नौसैनिक अभ्यास आयोजित कर रहा है, जो उस महाद्वीप तक अपनी पहुंच बढ़ाने का हिस्सा है, जहां चीन ने बड़ी प्रगति की है।

आईओएस सागर में कोमोरोस, केन्या, मेडागास्कर, मालदीव, मॉरीशस, मोजाम्बिक, सेशेल्स, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के 44 नौसैनिक सवार हैं। इस तरह के अभ्यासों और जुड़ावों के माध्यम से भारतीय नौसेना सामूहिक समुद्री सुरक्षा को आगे बढ़ाने, सद्भावना को बढ़ावा देने और क्षेत्र में शिपिंग लेन की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जहाज आईओएस सागर मिशन को जारी रखने के लिए 15 अप्रैल को दार-एस-सलाम से अगले बंदरगाह नकाला (मोजाम्बिक) के लिए रवाना होगा।

उज्जैन: बाबा महाकाल को बंधी गलन्तिका

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में रविवार (वैशाख कृष्ण प्रतिपदा) को सनातन धर्म व परंपरानुसार प्रातः भस्मार्ती के पश्चात श्री महाकालेश्वर भगवान को शीतल जलधारा से अभिषेक हेतु 11 मिट्टी के कलशों से गलन्तिका लगाई गई।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में परंपरानुसार 13 अप्रैल (वैशाख कृष्ण प्रतिपदा) से 11 जून 2025 (ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा) तक के लिए श्री महाकालेश्वर भगवान जी पर 11 मिट्टी के कलशों से सतत जलधारा हेतु गलंतिका बांधी गई। कलशों पर प्रतीकात्मक रूप में नदियों के नाम क्रमशः गंगा, सिंधु, सरस्वती, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी, शरयु, क्षिप्रा, गण्डकी, अलखनंदा आदि नामो को अंकित है। भगवान श्री महाकालेश्वर पर सतत शीतल जलधारा प्रवाहित की जाएगी, जो प्रतिदिन प्रातः भस्मार्ती के पश्चात से सायंकाल पूजन तक रहेगी।

उल्लेखनीय है कि, श्री महाकालेश्वर मंदिर में परंपरा अनुसार प्रतिवर्ष वैशाख कृष्ण प्रतिपदा से ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा तक (दो माह) श्री महाकालेश्वर भगवान जी को शीतलता प्रदान करने के लिए प्रतिदिन लगने वाले अभिषेक पात्र (रजत कलश) के साथ मिट्टी के 11 कलशों से सतत जलधारा प्रवाहित करने हेतु गलंतिका बांधी जाती है। वैशाख व ज्येष्ठ माह में अत्यधिक ऊष्ण व ग्रीष्म ऋतु का होता है। भीषण गर्मी में भगवान श्री महाकालेश्वर जी को दो माह तक प्रतिदिन भस्मार्ती के पश्चात प्रातः 6 बजे से सायं 05 बजे संध्या पूजन तक गलंतिका बधेगी।

TUITION TIGER

learn smart

ADMISSION OPEN

Premium Live Batches

Inaugural Offer

For First 100 students - 75% Off

For Next 100 students - 50% Off

For Next 100 students - 25% Off

---

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 **9220 90 5919**

TUITION TIGER

learn smart

Dear Teachers, associate with Tuition Tiger

Get Your **Referral Code** Today

mycode@tuitiontiger.com

922 09 05 910

www.TuitionTiger.com

81304 81309 9220 90 5919